सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 187 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 12 अगस्त, 2023

मूल्य ₹ 3/-

विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश किया जा सकता है।
-हेलेन केलर

एमपी में चल रहा 50 प्रतिशत... 2 | अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा या चुनावी... 3 | भारत को खत्म कर दिया गया... 7

सत्र का समापन, सियासी घमासान जारी

अब सड़क पर उठेगा मणिपुर का मुद्दा

राहुल ने मोदी पर किए तीखे वार

पीएम बोले- विपक्ष मुद्दे से भाग रहा है

» भाजपा व कांग्रेस आमने-सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मानसून सत्र खत्म हो चुका है। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा भी समाप्त हो चुकी है पर मणिपुर पर सियासत अभी खत्म नहीं हुई है। मणिपुर हिंसा पर मोदी सरकार और विपक्ष आमने-सामने है। इस बीच जहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को घेरते हुए बोला है कि पीएम मणिपुर को जलते रहने देना चाहते हैं वहीं पीएम मोदी ने विपक्ष पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। ऐसा नहीं कि ये दोनों बड़े नेता ही इस पर बोल रहे है । विपक्ष के सभी बड़े नेता मणिपुर मामले पर बीजेपी पर हमला करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं। भाजपा भी पलटवार करने में नहीं चूक रही है।

उधर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि भारतीय सेना मणिपुर में कुछ भी हल नहीं कर पाएगी, और 100 दिनों से अधिक समय से जारी हिंसा का समाधान दिल से आना चाहिए, गोलियों से नहीं। मुख्यमंत्री सरमा ने पूछा कि क्या कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, जिन्होंने सुझाव दिया था कि सेना संघर्षग्रस्त पूर्वोत्तर राज्य में दो दिनों में संघर्ष रोक सकती । क्या सेना को नागरिकों पर गोली चलाने की सलाह दे रहे हैं? गुवाहाटी में हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा,भारतीय वायु सेना ने आइजोल में ऐसा किया, उन्होंने बम बरसाए जब हिंसा कम हो रही थी, आज, राहुल गांधी कह रहे हैं कि भारतीय सेना को मणिपुर में हिंसा रोकनी चाहिए, इसका क्या मतलब है? उन्हें नागरिकों पर गोलियां चलानी चाहिए? क्या यह उनका नुस्खा है? वह ऐसा कैसे कह सकते हैं? सेना कुछ भी हल करने में सक्षम नहीं होगी, ऐसे में वे केवल अस्थायी रूप से शांत हो पाएंगे

पीएम चाहते हैं मणिपुर जलता रहे : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि जब राज्य पिछले चार महीनों से जल रहा है, तो प्रधानमंत्री को संसद में हंसना और चुटकुले सुनाना शोभा नहीं देता। दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि मणिपुर जले और जलने दें। अगर सरकार हिंसा को रोकना चाहती है, तो सरकार के हाथ में ऐसे उपकरण हैं, जो इसे तुरंत रोक सकते हैं। राहुल ने कहा कि जब मैंने प्रधानमंत्री को हंसते हुए और मजाक उड़ाते हुए देखा मैं समझ नहीं पा रहा था कि हिन्दुस्तान का प्रधानमंत्री इस प्रकार से कैसे बोल सकता है। पता नहीं लग रहा है कि हमारे देश में क्या हो रहा है। वो नहीं जा सकते हैं वहां उसके भी कारण हैं। छोड़िए मैं बता नहीं सकता। लेकिन अगर जा नहीं सकते हैं तो मणिपुर के बारे में बोले तो।

मणिपुर पर विस्तृत चर्चा विपक्षी दलों को चुभती : प्रधानमंत्री

उन्होंने कहा कि मणिपुर पर विस्तृत चर्चा होना जरूरी है, लेकिन असल में क्या हुआ, आप सब देख सकते हैं। विपक्ष ने ऐसा नहीं होने दिया! अगर इतने संवेदनशील विषय पर चर्चा होती तो मणिपुर के लोगों को राहत महसूस होती। उस मुद्दे के समाधान के लिए कुछ समाधान निकल आते, लेकिन विपक्षी लोग इस पर चर्चा नहीं करना चाहते थे। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें पता था कि मणिपुर की सच्चाई उन्हें सबसे ज्यादा चुभने वाली है। उन्होंने कहा कि उन्हें लोगों के दुख-दर्द से कोई मतलब नहीं है, उन्हें तो बस राजनीति से मतलब है। यही कारण था कि उन्होंने चर्चा से बचने का फैसला किया और अविश्वास प्रस्ताव लाकर राजनीतिक बहस को प्राथमिकता दी। पीएम मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव के दौरान भाजपा उम्मीदवारों को धमकाने और बूथ कैप्चरिंग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं कि कोई भी भाजपा उम्मीदवार नामांकन दाखिल न कर सके।

रॉबर्ट वाड्रा ने भी घेरा

वहीं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा लोकसभा में गौतम अडानी के साथ अपनी तस्वीर दिखाने पर रॉबर्ट वाड्रा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर जल रहा है और इस मंत्री (स्मृति ईरानी) को मेरे बारे में किसी तरह की नकारात्मक बात उठानी है, जो संसद में भी नहीं है। इससे पहले रॉबर्ट वाड्रा ने एक फेसबुक पोस्ट डाला और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की आलोचना की थी। गोवा में स्मृति ईरानी और उनकी बेटी के रेस्तरां से जुड़े विवादों से जुड़ी खबरों की तस्वीरें साझा करते हुए जानकारी दने को कहा।

अधीर रंजन ने दी मोदी सरकार को चेतावनी, नहीं दबा सकते आवाज

» बोले- लोकसभा से निलंबन वापसी नहीं हुई तो सुप्रीम कोर्ट जाऊंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा से निलंबित होने के बाद कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी सरकार पर हमलावर हैं। इस बीच अधीर रंजन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर निलंबन वापस नहीं हुआ तो जरूरत पड़ने पर वो सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकते हैं।

हाल ही में समाप्त हुए संसद के मानसून सत्र के दौरान अधीर रंजन को गलत आचरण के चलते लोकसभा से निलंबित कर दिया गया था। हमने संसद में मणिपुर पर प्रधानमंत्री के बयान की मांग की थी। हम चाहते थे कि संसद चले। जब हमारी बात नहीं सुनी गई, तो हमें अविश्वास प्रस्ताव लाने का अंतिम उपाय करना पड़ा।

दिल्ली सेवा बिल बना कानून, अधिसूचना जारी

» राष्ट्रपति ने किया हस्ताक्षर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में सेवा क्षेत्र को उपराज्यपाल के अधीन करने वाले अध्यादेश को कानूनी जामा पहनाने के लिए मानसून सत्र में लाया गया दिल्ली सेवा विधेयक अब कानून बन चुका है। मानसून सत्र में लोकसभा और राज्यसभा से विपक्ष के विरोध के बावजूद पास हुए दिल्ली सेवा बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया था। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद अब यह बिल कानून बन गया है।

कानून बनते ही भारत सरकार ने इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी है। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय राजधानी में नौकरशाहों पर केंद्र सरकार को अधिकार देने वाला विधेयक उच्च सदन में में भी पारित हो गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 1 अगस्त को लोकसभा में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 पेश किया। यह विधेयक राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं के नियंत्रण पर विवादास्पद अध्यादेश को बदलने के लिए है। इसके बाद इसे 7 अगस्त को राज्यसभा में पारित कर दिया गया। राष्ट्रीय राजधानी में नौकरशाहों पर केंद्र सरकार को अधिकार देने वाला विधेयक उच्च सदन में में भी पारित हो गया। विधेयक के पक्ष में 131 वोट आए थे जबकि 102 वोटों इसके खिलाफ थे।

महंगाई पर बात करने वालों को भेजा जा रहा जेल

» दस खरब डॉलर अर्थव्यवस्था की बात करने वाले ठेले पर बिकवा रहे हैं टमाटरः अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नेता विरोधी दल अखिलेश यादव ने कहा कि पहले दिल्ली और लखनऊ के इंजन टकरा रहे हैं। भाजपा टमाटर की बात ही नहीं करना चाहती है। उसकी कीमत आपके चेहरे को लाल कर रही है। महंगाई पर बात करने वाले पिता-पुत्र को जेल भेज दिया, ये कैसा लोकतंत्र है। दस खरब डॉलर अर्थव्यवस्था का सपना दिखाने वाले ठेले पर टमाटर बिकवा रहे हैं। डेयरी सेक्टर को बर्बाद कर प्राइवेट सेक्टर को दिया जा रहा है। इस तरह आप किसानों का भला करेंगे। आप सपा सरकार में शुरू हुई कुक्कुट योजना खत्म कर रहे हैं।

भाजपा की पहचान चाल, चरित्र और चेहरा थी, जो अब बदलकर नफरत, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और महंगाई बन चुकी है। दरअसल, ये लोग दरार डालने वाले दरारजीवी हैं। विधानसभा में बाढ़ और सूखा के हालात पर चर्चा के दौरान अखिलेश ने कहा कि नेता सदन (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) बताएं कि बिना किसानों की आय दोगुना किए 10 दस खरब डॉलर अर्थव्यवस्था का सपना कैसे पूरा होगा। कहा कि सबका साथ-सबका विकास के लिए जातीय जनगणना जरूरी है। अखिलेश ने मुख्यमंत्री द्वारा हाल ही में दिए गए एक साक्षात्कार को लेकर तंज कसा। कहा, कि उसमें बोला कम और लिखकर ज्यादा दिया गया है। नेता सदन बताएं कि वाटरवे और मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम कहां है। ऐसी कोई गली बता दीजिए, जहां जलभराव न हो। नेता सदन तो छह साल में गोरखपुर में जलभराव की समस्या खत्म नहीं कर सके। अखिलेश ने तंज कसा कि आज सरकार का प्रिय जानवर सांड है। इससे सड़क पर चलने वालों की जान जा रही है। पूर्व सीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सबसे पहले परिवारवाद शुरू किया।

मुझसे पहले सांसद बने और मठ का अध्यक्ष बन डबल लाभ लिया। गोरखपुर में विश्वविद्यालय के वीसी का जो सम्मान हुआ, वो सबने देखा। जेल जाने वालों का भी सम्मान किया गया। प्रदेश के 69 हजार शिक्षकों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। ऐसा उनके पीडीए होने की वजह से हो रहा है। सुना है कि अब अस्पताल भी निजी क्षेत्र को देने की तैयारी है। डिप्टी सीएम छापामार मंत्री बनकर रह गए। शादी में जाते हैं तो तुरंत फोटो आ जाती है। अस्पतालों में सांड और कुत्तों का कब्जा हो गया है। बेड, दवाएं उपलब्ध नहीं हैं।

कांवड़िए और ताजिया वालों को एक-एक करोड़ देने की मांग

उन्होंने कहा कि बीते दिनों जिन कांवड़ियों और ताजिया निकालने वालों की जान चली गई, सरकार उनके आश्रितों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और सरकारी नौकरी दे। अन्यथा डीजीपी और प्रमुख सचिव को भेजकर उन पर फूल बरसाना, पैर धोना, खाना खिलाना फर्जी है। इस सरकार से किसानों को कोई उम्मीद नहीं करनी चाहिए। किसानों की जमीनें छीनी जा रही हैं। ग्रेटर नोएडा में किसान महीनों से आंदोलन कर रहे हैं। जब आप उनकी जमीन से मुनाफा कमाएंगे तो उनकी भी जेब को भरना चाहिए। आप जितना गरीब को दोगे, आपका खजाना फिर से उतना भर जाएगा।

मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है...

अखिलेश ने सुभासपा अध्यक्ष पर तंज कसा कि हमारे एक साथी ने अपना ऑरबिट बदल लिया है। पहले मंच पर साथ रहते थे तो एक गाना गाते थे कि चल संन्यासी मंदिर में... इस पर सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने पलटवार करते हुए कहा कि मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है... यह सुनकर पूरा सदन ठहाकों से गूंज उठा।

योगी के हमशक्ल सुरेश की हत्या की गई

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने ट्वीट करते हुए लिखा की सपा के प्रचारक के रूप में अपनी अलग पहचान बनाने वाले सुरेश ठाकुर की पीट पीट कर हत्या की घटना अत्यंत हृदय विदारक है और सरकार से अपील है कि वह जल्द से जल्द दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई सुनिश्चित करे। ज्ञात हो सुरेश ठाकुर उन्नाव जिले के सोहरामऊ थाना अंतर्गत चौपाई गांव के रहने वाले थे सुरेश की पत्नी सरिता ने बताया की बीते 27 जुलाई को उनकी गांव के दो लोगों से विवाद हो गया था जिसके चलते दोनों लोगों ने उनकी पिटाई कर दी थी पिटाई से घायल हुए सुरेश की इलाज के दौरान शुक्रवार को मौत हो गई। सरिता ने उन्नाव पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा की जिले की पुलिस की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की गई पुलिस ने कार्रवाई तो नहीं की बल्कि समझौता कराने के प्रयास में थी। वहीं दूसरी तरफ सीओ हसनगंज संतोष सिंह ने बताया की सुरेश की मौत हार्ट अटैक के कारण हुई है साथ ही बताया की उनके शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं थे सीओ ने आगे बताया की 10 तारीख को सुरेश की अचानक तबियत खराब हुई थी तबियत खराब होने पर उनको जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया था जहां उनकी शुक्रवार को मौत हो गई। पुलिस के द्वारा सुरेश का पीएम करवाया गया जिसमें हार्ट अटैक से मौत होने की पुष्टि हुई है।

चाचा, भतीजे को कुछ सिखाइये : योगी

» शिवपाल ने कहा- हमने ही इंजीनियर और सीएम बनाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में सपा महासचिव शिवपाल यादव के जरिये नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव पर बार बार निशाना साधा। योगी ने कहा कि चाचा यदि भतीजे को शिक्षा देते तो यह हाल नहीं होता। चाचा भतीजे को कुछ तो सिखाया करो, अभी तो कोई काम नहीं है इसलिए समय का सदुपयोग करो।

शिवपाल ने कहा कि हमारी शिक्षा के बाद ही पहले इंजीनियर फिर सीएम बने। अखिलेश ने कहा कि हम तो चाचा से शिक्षा ले रहे हैं, योगी जी आप भी चाचा से शिक्षा ले लें। योगी ने कहा चाचा अगर आपने सही निर्णय नहीं लिया तो 27 में आप ही क्लीन बोल्ड होने वाले हैं। अभी से तय कर लो आप। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब परिवार में सत्ता का संघर्ष बढ़ता है तो कुछ न कुछ चीजें तो सामने आएंगी। उन्होंने कहा कि शिवपाल के प्रति हमारी सहानुभूति है। उनके साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने कहा कि आपके साथ ये लोग न्याय करेंगे भी नहीं। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति सर्पदंश और सांड़ से मरे, इन सभी को आपदा घोषित करने वाला यूपी देश का पहला राज्य है। हम तो सांड की नंदी के रूप में पूजा करते हैं। शिवपाल जी आप नहीं करते क्या? तो कुछ तो समझाया करें इन्हें।

मुसलमानों के मन की बात सुनें पीएम

» जामा मस्जिद के शाही इमाम बुखारी ने सरकार से बातचीत का किया समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने देश में हाल की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुसलमानों के मन की बात सुनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हम सरकार से बातचीत का समर्थन करते हैं और बातचीत के लिए तैयार हैं। हिंदू नेताओं से भी बात करें और फिर एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाए।

शाही इमाम ने हरियाणा में नूंह दंगों और चलती ट्रेन में एक रेलवे पुलिस जवान द्वारा चार लोगों की हत्या जैसी घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह समुदाय के बुद्धिजीवियों के साथ बातचीत करें। उन्होंने कहा कि देश के मौजूदा हालात को देखते हुए वह बोलने को मजबूर हैं। बुखारी ने पीएम से आग्रह करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री अपने मन की बात कहते हैं, मुसलमानों के मन की भी सुनिए। साथ ही कहा कि मौजूदा हालातों से मुसलमान परेशान हैं और देश के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। साथ ही आरोप लगाया कि नफरत और सांप्रदायिक हिंसा से निपटने में कानून कमजोर साबित हो रहा है।

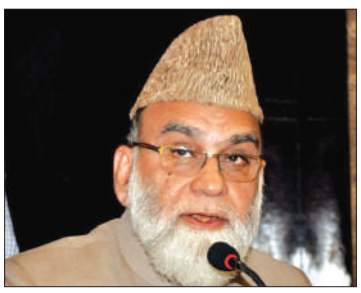

यूसीसी से किसी को खतरा नहीं : आरिफ मोहम्मद खान

ठाणे। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शुक्रवार को कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) देश में किसी के लिए भी खतरा नहीं है। उन्होंने नागरिकों से इसके बारे में गलत धारणाएं दूर करने और इसके खिलाफ जारी झूठे प्रचार से लड़ने का आग्रह किया खान यहां समान नागरिक संहिता क्यों और कैसे? विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। यूसीसी का लक्ष्य विभिन्न धार्मिक समुदायों के धर्मग्रंथों व रीति-रिवाजों पर आधारित व्यक्तिगत कानूनों के बजाय देश के प्रत्येक नागरिक पर सामान्य कानून लागू करना है। केरल के राज्यपाल ने नागरिकों से यूसीसी के बारे में गलत धारणाओं को दूर करने और इसके खिलाफ किए जा रहे झूठे प्रचार से लड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी कानून के सफल होने के लिए जनता का समर्थन जरूरी है और सरकार को इस दिशा में काम करना चाहिए और अब भी वही किया जा रहा है. खान ने कहा कि यूसीसी को देश में लागू किया जाना चाहिए, सिर्फ इसलिए नहीं कि यह निदेशक सिद्धांतों का हिस्सा है, बल्कि इसलिए कि मौजूदा कानूनी व्यवस्था कानून की नजरों में समानता और समान कानूनी सुरक्षा के मौलिक अधिकार दोनों का उल्लंघन करती है।

एमपी में चल रहा 50 प्रतिशत कमीशन : कांग्रेस

» ठेकेदारों के चीफ जस्टिस को लिखे पत्र को किया शेयर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में तीन महीने बाद चुनाव होने हैं। ऐसे में कांग्रेस ने कर्नाटक प्लान पर काम शुरू कर दिया है। इसके तहत एक के बाद एक कांग्रेस के छोटे-बड़े सभी नेताओं ने शुक्रवार को शिवराज सिंह चौहान सरकार को घेरा। आरोप लगाए कि शिवराज सिंह चौहान सरकार 50 प्रतिशम कमीशन देने पर ही काम करवाती है। शिवराज सरकार पर इस कोऑर्डिनेट हमले में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी से लेकर मीडिया विभाग के प्रमुख जयराम रमेश तक और प्रदेश में पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह तक ने एक साथ आरोप लगाए।

वहीं, भाजपा ने आरोपों पर पलटवार किया है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव ने एक दिन पहले ठेकेदारों के मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को लिखे पत्र को शेयर किया था। इसमें कथित तौर पर 50 प्रतिश कमीशन देने पर भुगतान मिलने की बात कही गई थी। जयराम रमेश ने भी ट्वीट में ऐसी ही बात लिखकर शिवराज सरकार पर हमला बोला। प्रियंका के ट्वीट पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि प्रियंका जी आपने मध्य प्रदेश में फैले भ्रष्टाचार के दानव को पूरी दुनिया के सामने उजागर कर स्पष्ट कर दिया है कि मध्य प्रदेश की जनता किस तरह सत्ताधारी पार्टी की कमीशन और लूट का शिकार बन रही है। मध्यप्रदेश में गर्भवती महिलाओं के पोषण आहार से लेकर भगवान महाकाल के परिसर के निर्माण तक में 50प्रतिशत से अधिक कमीशन का घोटाला किया जा रहा है।

फर्जी पत्र से सरकार को बदनाम करने की साजिश :भाजपा

भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने लिखा कि कांग्रेस झूठ की राजनीति करती है। 50 प्रतिशत कमीशन के एक फर्जी पत्र के आधार पर पहले कांग्रेस के नेता अरुण यादव ट्वीट करते है और उसे प्रियंका गांधी से लेकर जयराम रमेश और खुद कमलनाथ जी ट्वीट कर रहे है। इस तरह का ट्वीट कर वह शिवराज सरकार को बदनाम करने का काम कर रहे हैं, जबकि यह पत्र पूरी तरह से फर्जी है। मध्यप्रदेश में शिवराज सरकार में भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस है , इस प्रकार की कमीशन की बात पूरी तरह से फर्जी है। सलूजा ने कहा कि सिर्फ चुनाव के एजेंडे को सेट करने के लिए इस तरह से फर्जीवाड़े का सहारा लिया जा रहा है। सलूजा ने कहा कि मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस फर्जी पत्र के आधार पर कांग्रेस के नेताओं पर प्रकरण दर्ज किया जावे। कांग्रेस को चुनाव में कोई मुद्दा नहीं मिल रहा है तो इस तरह से फर्जी पत्र तैयार कर सरकार को बदनाम करने का काम किया जा रहा है।जिस कमलनाथ की सरकार में वल्लभ भवन भ्रष्टाचार व दलालों का अड्डा बना रहा , ट्रांसफर उद्योग पूरे 15 माह चलता रहा जरूरी जन हितैषी योजनाएं बंद हो गई जबह आज शिवराज सरकार पर मनगढ़ंत, झूठे आरोप लगा रहे हैं।

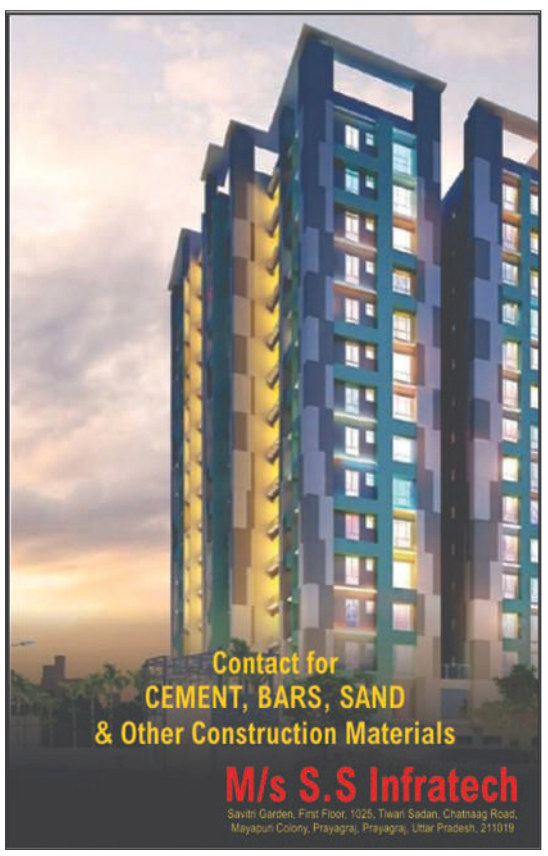

अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा या चुनावी बहस!

लोक सभा में सत्ता पक्ष व विपक्ष में तीखी नोक-झोंक

» पीएम के भाषण से विपक्षी खेमा निराश,बोला- सिर्फ मुद्दे से भटकाया

» भाजपा ने कांग्रेस को घेरा, बोली-संसद का समय किया बबार्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तीन दिनों तक भारी हंगामें व तीखी बहस के बाद मोदी सरकार के खिलाफ आया अविश्वास प्रस्ताव चर्चा के बाद सदन में गिर गया। उसके बाद शुक्रवार को मानसून सत्र का समापन भी हो गया। इस बीच विपक्ष ने कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी के निलंबन व मणिपुर को लेकर सत्ता पक्ष व बीजेपी पर जमकर हमला भी किया। वहीं अब खास से आम जन तक में अविश्वास प्रस्ताव के चर्चा के दौरान नेताओं के भाषणों पर बतकही चल रही है। अपने-अपने हिसाब से लोग नेताओं व पार्टियों के भाषणों का विश्लेषण कर रहे हैं। पर सभी बातों को तोलने मोलने के बाद यही चर्चा हो रही है कि इस चर्चा के दौरान नेताओं ने सिर्फ व सिर्फ 2024 के लोकसभा चुनावों को अपनी नजर में रखकर अपने विचार रखे।

भाजपा व एनडीए के पक्ष वाले पीएम मोदी के भाषण को जोरदार बता रहे है तो कांग्रेस व इंडिया को मानने वाले राहुल गांधी के भाषण को शानदार बता रहे हैं। अब किसका भाषण कितना प्रभावशाली रहा ये तो चुनाव के नतीजे बताएंगे । पर सबसे बड़ी बात ये हुई कम से कम मणिपुर मामले पर चर्चा हुई हालांकि पीएम ने अपने लगभग दो घंटे के भाषण में मणिपुर पर ज्यादा कुछ नहीं बोला, उन्होंने गृहमंत्री द्वारा दिये गए भाषण को उद्धृत कर दिया। उनके मणिपुर मामले पर इतने कम वक्तव्य पर भी विपक्ष ने निशाना साधा। हालांकि विपक्ष द्वारा उनके भाषण के दौरान वाकआउट करने को भाजपा ने अनुचित करार दिया। वैसे आंकड़ों के लिहाज से यह पहले से तय था कि विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव से सरकार को कोई खतरा नहीं है। यही नहीं, लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू होने से एक दिन पहले ही राज्यसभा में भी विपक्ष की बड़ी हार हो गयी थी जब सत्ता पक्ष ने सदन में अपना बहुमत नहीं होते हुए भी दिल्ली में सेवाओं संबंधी विधेयक को पारित करा लिया था। ऐसे में सवाल उठता है कि एक हार के तुरंत बाद विपक्ष दूसरी हार का स्वाद चखने को क्यों आतुर था? देखा जाये तो इस प्रश्न का जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पुराने बयान से मिल जाता है। प्रधानमंत्री ने संसद में पिछले अविश्वास प्रस्ताव के समय कहा था कि कांग्रेस ने इस संवैधानिक प्रावधान का सर्वाधिक बार दुरुपयोग किया है। देखा जाये तो इस बार कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने जो अविश्वास प्रस्ताव पेश किया वह भी एक तरह से संवैधानिक प्रावधान का दुरुपयोग ही था क्योंकि यह सिर्फ राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उठाया गया कदम था। प्रधानमंत्री ने तो कहा भी है कि पिछली बार भी और इस बार भी फ्लोर टेस्ट सरकार का नहीं बल्कि विपक्ष का ही था। उधर कांग्रेस नेता ने राहुल गांधी ने कहा कि संसद में पीएम का भाषण ऐसा लगा जैसे वह मणिपुर नहीं कांग्रेस पर चर्चा कर रहें हैं। संसद में पहले भी अविश्वास प्रस्ताव आये हैं लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी, सुषमा स्वराज, अरुण जेटली और प्रमोद महाजन जैसे विपक्षी नेता सत्ता पक्ष पर हमले के लिए निचले स्तर पर कभी नहीं उतरे थे। उस समय माहौल ऐसा होता था कि सत्ता पक्ष से ज्यादा लोग विपक्ष के प्रमुख नेताओं के भाषण सुनने को आतुर रहते थे क्योंकि वह सिर्फ और सिर्फ तथ्यों और तर्कों के आधार पर ही अपनी बात गरिमापूर्ण तरीके से रखते थे। लेकिन इस बार विपक्ष ने जिस तरह अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सिर्फ और सिर्फ चुनावी भाषण दिये और प्रधानमंत्री पर तीखे हमले किये।

पीएम ने विपक्ष को किया निराश

दूसरी ओर सत्ता पक्ष के नेताओं के भाषणों को देखें तो इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर पक्ष पर भारी पड़े। पर उनके भाषण में भी सिर्फ कांग्रेस निशाने पर रही है। उनके भाषणों में भी आने वाले चुनावों की आहट दिखाई दे रही थी। हालांकि अपने सारगर्भित संबोधन के जरिये उन्होंने देश को हर सवाल का जवाब दिया और अपनी पार्टी को आगामी चुनावों में जीत के लिए भी तैयार कर दिया। प्रधानमंत्री के बाद गृह मंत्री अमित शाह के भाषण को रखा जा सकता है। उन्होंने सिर्फ मणिपुर ही नहीं बल्कि देश से जुड़े हर मुद्दे का तर्कपूर्ण जवाब दिया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का संबोधन भी काफी व्यापक रहा। एक तो वह उसी पूर्वोत्तर से आते हैं जहां मणिपुर स्थित है, दूसरा वह अल्पसंख्यक समुदाय से भी हैं। विपक्ष केंद्र सरकार पर अल्पसंख्यकों के प्रति सत्तारुढ़ दल के रुख और सरकार की पूर्वोत्तर नीति को लेकर निशाना साधता है इसीलिए रिजिजू का संबोधन काफी महत्वपूर्ण रहा। इसके अलावा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी सरकार की आर्थिक नीतियों और उसके प्रभाव को लेकर विस्तृत रूप से अपना पक्ष रखा। ज्योतिरादित्य सिंधिया भी अच्छा बोले लेकिन वह अपनी पूर्व पार्टी कांग्रेस पर ही ज्यादा निशाना साधते दिखे। नारायण राणे और साध्वी निरंजन ज्योति जैसे मंत्री कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाये। राज्यवर्धन सिंह राठौड़, निशिकांत दुबे जैसे सत्तारुढ़ पक्ष के वक्ता औसत ही रहे। लॉकेट चटर्जी ने महिलाओं से जुड़े मुद्दों खासकर बंगाल से जुड़े विषयों को लेकर प्रभावी ढंग से अपनी बात रखी। शिवसेना शिंदे गुट से श्रीकांत शिंदे का संबोधन शानदार रहा। उन्होंने दर्शा दिया है कि वह उद्धव गुट के उत्तराधिकारी आदित्य ठाकरे के मुकाबले ज्यादा प्रभावी वक्ता हैं।

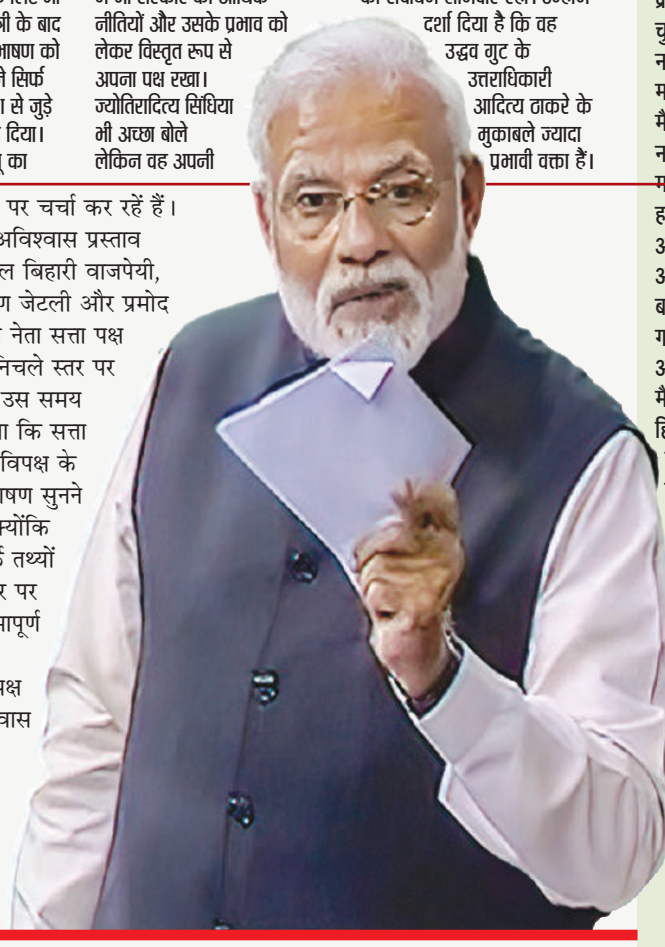

संसद में मजाक उड़ाया गया : राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद राहुल ने कहा कि पीएम मोदी ने संसद में 2 घंटे 13 मिनट तक भाषण दिया जिसके अंत में दो मिनट मणिपुर की बात की। मणिपुर में महीनों से आग लगी हुई है, हत्या और बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं.। प्रधानमंत्री कल सदन में हंस रहे थे, चुटकुले सुना रहे थे। ये उनको शोभा नहीं देता. विषय कांग्रेस या मैं नहीं था, मणिपुर था। राहुल गांधी ने कहा कि मैंने सदन में यूं ही नहीं कह दिया कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने भारत माता की हत्या की कर दी। मणिपुर में हमें मैतई इलाके में कहा गया कि आपकी सुरक्षा टीम में अगर कोई कुकी आया तो उसकी हत्या कर देंगे, यही बात कुकी इलाके में मैतई के लिए कहा गया, राज्य की हत्या कर दी गई है और उसे बांट दिया गया है। इसीलिए मैंने कहा कि बीजेपी ने मणिपुर में हिंदुस्तान की हत्या कर दी। कांग्रेस सासंद ने कहा कि पीएम जा नहीं सकते तो कम से कम बोलें तो सही. भारतीय सेना इस नाटक को 2 दिनों में रोक सकती है लेकिन पीएम मणिपुर को जलाना चाहते हैं और आग को बुझाना नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 19 साल के अनुभव में, मैंने मणिपुर में जो देखा और सुना, वह कभी नहीं देखा, संसद में जो मैंने कहा कि वो खोखले शब्द नहीं है, पहली बार संसद के रिकॉर्ड से भारत माता शब्द हटाया गया, यह अपमान है, अब आप भारत माता शब्द संसद में नहीं बोल सकते। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री कम से कम मणिपुर जा सकते थे, समुदायों से बात कर सकते थे और कह सकते थे कि मैं आपका पीएम हूं, आइए बात शुरू करें, लेकिन मुझे उनका ऐसा कोई इरादा नहीं दिखता। सवाल यह नहीं है कि क्या पीएम मोदी 2024 में पीएम बनेंगे, सवाल मणिपुर का है जहां बच्चे, लोग मारे जा रहे हैं, बीजेपी की राजनीति के कारण एक राज्य बर्बाद हो गया है, इसीलिए मैंने कहा कि मणिपुर में भारत माता की हत्या की गई है। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम ने मणिपुर की महिलाओं का मजाक उड़ाया, पीएम हमारे प्रतिनिधि ह, उन्हें दो घंटे कांग्रेस का मजाक उड़ाते देखना सही नहीं लगा, मैंने वाजपेई, देवगौड़ा को देखा है, वो ऐसा नहीं करते थे, पीएम का भाषण हिंदुस्तान के बारे में नहीं खुद के बारे में था, मणिपुर में भारत माता की हत्या कर दी गई और पीएम अपने नारे लगवा रहे थे, हजारों हथियार जो लूटे गए वो सीएम के नीचे हुआ तो क्या गृह मंत्री चाहते हैं ये सब चलता रहे?।

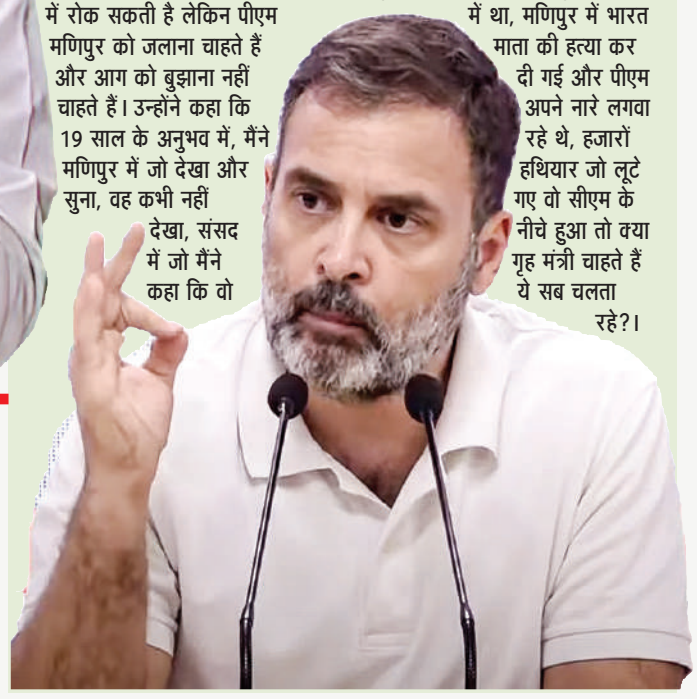

सभी नेताओं ने अपने-अपने राजनीतिक हित साधे

तीन दिनों तक चली इस बहस का निचोड़ देखेंगे तो यही सामने आता है कि सभी नेताओं ने अपने अपने राजनीतिक हित साधे। राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल होने के बाद कांग्रेस ने उनका भाषण कराके अपने कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार किया। इसके अलावा, एनडीए और इंडिया गठबंधन के नेताओं ने अपनी अपनी पार्टी से वक्ता के रूप में लोगों का चयन करते समय चुनाव से जुड़े हितों को ही ध्यान में रखा। देखा जाये तो सभी पार्टियों के नेता साल 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले खुद की तैयारियों को परखना चाहते थे इसलिए सबने अपने भाषण को ज्यादा से ज्यादा प्रभावी बनाने का काम किया। देखा जाये तो राजनेताओं के भाषणों को उनके समर्थकों ने सराहा, लाइक किया और शेयर किया।

वहीं के वहीं रह गये जनता के मुद्दे

लेकिन सवाल उठता है कि इससे देश को और मणिपुर को क्या मिला? देश चाहता था कि संसद के मॉनसून सत्र में चर्चा हो कि महंगाई को कैसे कम किया जाये, बेरोजगारी को कैसे कम किया जाये, साम्प्रदायिक सद्भाव के बिगड़ते माहौल संबंधी घटनाओं को कैसे काबू में लाया जाये, भ्रष्टाचार को कैसे पूरी तरह खत्म किया जाये, महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर कैसे लगाम लगायी जाये, ऑनलाइन फ्रॉड की बढ़ती घटनाओं पर कैसे तत्काल रोक लगाई जाये...लेकिन इसमें से किसी भी विषय पर चर्चा नहीं हुई। यानि जनता के जो मुद्दे थे वो वहीं के वहीं रह गये। विपक्ष इस बात पर अपनी जीत मना रहा है कि वह प्रधानमंत्री को विभिन्न मुद्दों पर बोलने के लिए मजबूर करने में सफल रहा। सरकार इस बात पर अपनी जीत मना रही है कि विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव गिर गया।

संसदीय प्रणाली की हार

दोनों पक्ष अलग-अलग तरह से अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं लेकिन इस सारे शोर में हार तो संसदीय प्रणाली की हुई है क्योंकि संसद के मॉनसून सत्र का अधिकांश समय हंगामा की भेंट चढ़ गय। जिससे जनहित के मुद्दे नहीं उठ पाये। यही नहीं, सत्र दर सत्र लगातार हंगामे के बीच ही बिना चर्चा के सरकार को विधेयक पारित कराने की अब आदत पड़ गयी है। विधेयकों पर चर्चा नहीं होने से जनता को अपने लिये बन रहे कानून के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष के बारे में जानने का अवसर ही नहीं मिल पाता। यही नहीं, जिस मणिपुर को लेकर यह सारा राजनीतिक हंगामा हुआ उस पर चर्चा के बहाने से सभी दलों ने एक दूसरे के कार्यकाल में हुए दंगों और हिंसा से जुड़े घटनाक्रमों का उल्लेख कर पुराने जख्मों को कुरेदा। खैर...लोकसभा ने मणिपुर में शांति की अपील का जो प्रस्ताव पारित किया है वह काफी सकारात्मक कदम है। यदि इस चर्चा के माध्यम से ही मणिपुर में शांति कायम हो जाये तो एनडीए और इंडिया गठबंधन, दोनों की ही बड़ी जीत होगी।

गौरव गोगोई ने दिया जोरदार भाषण

विपक्ष की ओर से गौरव गोगोई ने शानदार शुरुआत की और मणिपुर को लेकर अपनी पार्टी की चिंताओं को प्रमुखता के साथ देश के समक्ष रखा। विपक्ष के अन्य नेता कनिमोझी, सुप्रिया सुले, डिंपल यादव, टीआर बालू, अरविंद सावंत, सिमरनजीत सिंह, एनके प्रेमचंद्रन, महुआ मोइत्रा ने भी अच्छी तरह से मोदी सरकार को धोया।, विपक्ष की ओर से अधीर रंजन चौधरी, राहुल गांधी और मनीष तिवारी के भाषणों में तर्कों और अनुभव की झलक थी लेकिन अधीर रंजन और राहुल गांधी ने कई गंभीर बातें कह कर सत्ता पक्ष को और हमलावर होने का मौका दे दिया। जदयू के राजीव रंजन सिंह हों, शिरोमणि अकाली दल बादल की हरसिमरत कौर बादल हों, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी हों, बीजद के पिनाकी मिश्रा हों, नेशनल कांफ्रस के फारुक अब्दुल्ला हों, निर्दलीय नवनीत राणा हों, लोजपा रामविलास के चिराग पासवान हों, आरएलपी के हनुमान बेनीवाल हों या वाईएसआर कांग्रेस के पीवी मिधुन रेड्डी हों...इन सबका भाषण भी स्थानीय राजनीति और आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर दिया गया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बिगड़ रही है यूपी की कानून व्यवस्था !

पिछले कुछ महीनों में यूपी की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। वर्तमान में जब राज्य की विधान सभा का मानसून सत्र चल रहा था उस बीच मुरादाबाद में राज्य की सत्ता पर काबिज भाजपा के अपने ही एक क्षेत्रीय नेता की दिन दहाड़े हत्याकर दी गई। जब हत्यारा घटना को अंजाम दे रहा था वहीं सदन में कानून व्यवस्था समेत कई मुद्दों पर सत्ता पक्ष व मुख्य विपक्षी दल सपा में तीखी बहस चल रही थी। कानून व सुरक्षा पर बड़ी-बड़ी बात करने वाले मुख्यमंत्री योगी की पुलिस का डर लगता है अब बदमाशों पर से हट गया तभी जो राज्य हर हिस्से में चैन स्नेचिंग, लूट, अपहरण व हत्या की घटनाएं होना आम बात हो गई। गौतलब हो इससे पहले ग्रीष्मकालीन सत्र में प्रयागराज में उमेशपाल की हत्या कर दी गई जिस पर सदन में जमकर हंगामा हुआ था उसके बाद पूरे प्रदेश की ही नहीं देश की सियासत गरमा गई थी। हालांकि अब भी उस मामले में जांच चल रही है। अफसोस की बात ये है कि अभी पुरानी घटनाओं की जांच पुरी नहीं हुई है और नई घटनाएं सामने आने लगी हैं। सबसे बड़ी अचरज की बात ये है सत्ता पक्ष से जुड़े लोग भी मारे जा रहे हैं, ऐसे में आम आदमी की क्या स्थिति होगी सोचने वाली बात हैं।

ज्ञात हो मुरादाबाद की पार्श्वनाथ प्रतिभा सोसाइटी में बृहस्पतिवार शाम छह बजे भाजपा नेता एवं असमोली ब्लॉक प्रमुख पद के प्रत्याशी रहे अनुज चौधरी (35) गोली मारकर हत्या कर दी गई। उन्हें सिर, कंधे और पीठ में चार गोलियां मारी गई। घटना के समय अनुज अपने दोस्त पुनीत चौधरी के साथ सोसाइटी में ही सड़क पर टहल रहे थे, जबकि उनका गनर और स्टाफ फ्लैट में मौजूद था। वारदात को अंजाम देने के बाद हत्यारोपी भाग निकले। पुलिस राजनीतिक, प्रॉपर्टी और अन्य विवादों के एंगल पर जांच कर रही है। संभल जिले के एचौड़ा कम्बोह थाना क्षेत्र के अलिया नेकपुर निवासी अनुज चौधरी मझोला क्षेत्र में प्रतिभा सोसाइटी में टावर टी-7 के फ्लैट नंबर 401 और 402 में रहते थे। उन्होंने असमोली ब्लॉक के प्रमुखी का चुनाव लड़ा था। संभल पुलिस से उन्हें एक सरकारी गनर मिला था। इसके अलावा अनुज ने अपनी सुरक्षा में दो निजी गनर भी रखे थे। रोज की तरह अनुज बृहस्पतिवार शाम छह बजे सोसाइटी में ही अपने दोस्त पुनीत निवासी संभल के साथ घूम रहे थे। वह टहलते हुए गेट संख्या एक के सामने सड़क पर पहुंच गए। इस दौरान पीछे से बाइक पर तीन बदमाश आए। बाइक चला रहे बदमाश ने हेमलेट पहन रखा था। जबकि पीछे बैठे दोनों बदमाश बेनकाब थे। तीनों ने 315 बोर तमंचे और पिस्टल से अंधाधुंध गोली लगा दी। जांच के पता चलेगा कि घटना क्यों घटी, पर सरकार को जवाब देना होगा कि आखिर क्यों नहीं वह इन घटनाओं को रोक पा रही है।

गौतलब हो इससे पहले ग्रीष्मकालीन सत्र में प्रयागराज में उमेशपाल की हत्या कर दी गई जिस पर सदन में जमकर हंगामा हुआ था उसके बाद पूरे प्रदेश की ही नहीं देश की सियासत गरमा गई थी। हालांकि अब भी उस मामले में जांच चल रही है। अफसोस की बात ये है कि अभी पुरानी घटनाओं की जांच पुरी नहीं हुई है और नई घटनाएं सामने आने लगी हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

झुलसने के खौफनाक मंज़र की ओर बड़ी आबादी

ज्ञानेन्द्र रावत

बढ़ते तापमान के चलते हो रही भीषण गर्मी के खतरे को कम करने की कोशिशें पूरी दुनिया में तेजी से की जा रही हैं। सदी के अंत तक इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयास जारी हैं। तापमान में वृद्धि से दुनिया पर इस सदी के अंत तक तकरीबन दो अरब तथा भारत में 60 करोड़ लोगों पर जहां भीषण गर्मी का खतरा मंडरा रहा है, वहीं यदि एक डिग्री भी तापमान में बढ़ोतरी होती है तो इस बात की आशंका बलवती है कि इसके चलते 10 गुणा तक विस्थापन बढ़ेगा। वहीं 30 फीसदी तक प्रजातियों की विलुप्ति की संभावना व्यक्त की जा रही है जो भयावह खतरे का संकेत है। नि:संदेह तापमान वृद्धि चुनौती बनकर सामने आ रही है।

वास्तव में बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग ने कई खतरों को जन्म दिया है। इसमें सबसे बड़ी चिंता का सबब ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि है जिसने वैज्ञानिकों और पर्यावरण विज्ञानियों की चिंता को और बढ़ा दिया है। दि मिनिस्ट्री फार दि फ्यूचर में किम स्टेनली रॉबिन्सन ने हीटवेव के दुष्परिणामों को शुरुआती अध्याय में लाखों लोगों की मौत की आशंका जताई है। पुस्तक में जलवायु परिवर्तन की उन चरम सीमाओं को चित्रित किया गया है जो मनुष्य को जीवित रहने के लिए बेहद कठिन परिस्थितियों को पैदा करता है। इसमें बताया गया है कि लगातार तापमान बढ़ोतरी से आने वाले दशकों में भारी पैमाने पर विस्थापन होगा। वहीं आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा इतने अधिक तापमान का सामना करने को मजबूर होगा। अध्ययन में कहा गया है कि जैसे-जैसे पृथ्वी गर्म होती जायेगी, वैसे-वैसे वर्तमान जलवायु में भी तेजी से बदलाव आयेगा और समय के साथ ही यह परिवर्तन भविष्य में विस्थापन की गति को बढ़ावा देगा। इसका परिणाम यह होगा कि केवल एक ही डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने से समूची दुनिया में विस्थापन करने वालों की तादाद 10 गुणा तक बढ़ सकती है।

गौरतलब है कि 2011 से 2020 तक का दशक सबसे अधिक गर्म रहा है। इस दशक के आखिर तक 29 डिग्री सेल्सियस से ऊपर वार्षिक तापमान यानी पहली बार दुनिया का औसत तापमान पूर्व औद्योगिक मानक से 1.5 डिग्री सेल्सियस ऊपर पहुंच सकता है। इस बारे में यूनिवर्सिटी आफ ईस्ट एंग्लिया में टिंडल सेंटर फार क्लाइमेट रिसर्च की शोधकर्ता कहती हैं कि उच्च तापमान के कारण स्वास्थ्य सम्बंधी

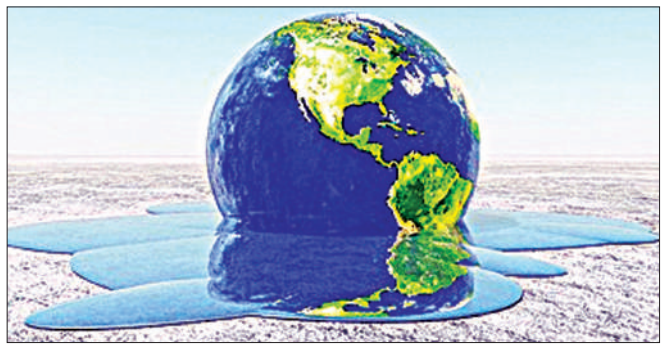

समस्याएं पैदा होंगी, जैसे हृदय, फेफड़े, मस्तिष्क और गुर्दे के साथ-साथ दिमाग और हार्मोनल प्रणाली प्रभावित होगी। इससे समय पूर्व मृत्यु और विकलांगता भी हो सकती है। उल्लेखनीय है कि अत्यधिक तापमान के चलते हर साल तकरीबन 50 लाख लोगों की असमय मौत हो जाती है। जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, गरीबी बढ़ेगी, पानी और भोजन की समस्याओं में इजाफा होगा। खेतों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उपज कम होने से खाद्यान्न की किल्लत होगी। मौजूदा हालात में छह करोड़ लोग तो पहले से ही भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। तात्पर्य यह कि ये लोग 29 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक के औसत तापमान में रह रहे हैं। यदि ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित कर पाने में हम कामयाब हो जाते हैं, उस दशा में दुनिया की आबादी का छठा हिस्सा भीषण गर्मी के ताप से बचाया जा सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ केपटाउन द्वारा अध्ययन के अनुसार यदि तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ेगा तो उस दशा में तकरीबन 30 फीसदी प्रजातियां जिनमें स्तनधारी, एम्फीबियन, रेप्टाइल, पक्षी, कोरल, मछली और व्हेल शामिल हैं, तेज गर्मी को सहन न कर पाने की हालत में विलुप्ति के कगार पर पहुंच जायेंगी। यूसीएल सेंटर फार बायोडायवर्सिटी एण्ड इन्वायरमेंट रिसर्च के शोध प्रमुख का कहना है कि जानवरों और पौधों पर जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभावों को कम करने के लिए तत्काल कदम उठाने होंगे। इनको बड़े पैमाने पर विलुप्ति से बचाने के लिए कार्बन उत्सर्जन को तुरंत कम करने की जरूरत है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यदि तापमान में 2.7 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होती है तो अत्यधिक गर्मी से भारत सबसे ज्यादा प्रभावित होगा।

दुनिया की कुल आबादी में से 22 से 39 फीसदी गर्मी के प्रभाव को झेलने को विवश होगी। अनुमान के मुताबिक वर्ष 2070 तक दुनिया की आबादी 9.5 अरब पहुंचने का अनुमान है। वास्तव में जलवायु क्षेत्र तेजी से सिकुड़ रहा है। यह कम कार्बन उत्सर्जन वाले क्षेत्रों के निवासियों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रहा है। यही नहीं, समूची दुनिया में जैसे-जैसे तापमान में रिकार्ड बढ़ोतरी हो रही है, वैसे-वैसे हीट स्ट्रेस यानी शहरी इलाकों में गर्मी की वजह से तनाव में बढ़ोतरी हो रही है।

राजनीतिक अस्थिरता के बीच गहराता आर्थिक संकट

जी. पार्थसारथी

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा रखी गई कड़ी शर्तों और सरकारी खर्च में भारी कटौती के बावजूद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था आज रसातल में बनी हुई है। ऐसे में सतत आर्थिक विकास की गुंजाइश कम ही बचती है। मानो आर्थिक संकट ही काफी न था, महंगाई की ऊंची दर ने आम आदमी की जिंदगी को दूभर बना रखा है। विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट में कहा गया 'अपने न्यूनतम विदेशी मुद्रा भंडार के साथ पाकिस्तान की मौजूदा अर्थव्यवस्था भारी दबाव में है, पाकिस्तानी मुद्रा का लगातार अवमूल्यन हो रहा है और महंगाई दर बहुत अधिक है। बढ़ती मुद्रास्फीति, ऊर्जा की ऊंची कीमत के बीच वर्तमान वित्त वर्ष में पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि दर 0.4 फीसदी अनुमानित है।' पिछले कई दशकों में कृषि आमदनी में पहली बार सिकुड़न आई है, यही हाल उद्योग जगत का है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला में बाधा पड़ रही है। अत: पाकिस्तान पूर्व की भांति खैरात पर पलने वाला मुल्क बना रहेगा, जहां तक नजर जाती है, वह विदेशी मदद पर निर्भर है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से हुए समझौते को अंतिम रूप से सिरे चढ़ जाने और सऊदी अरब एवं संयुक्त अरब अमीरात से द्विपक्षीय सहायता मिलने के बावजूद पाकिस्तान को मौजूदा वित्तीय संकट से उबरने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार का कड़ाई से प्रबंधन करने और आर्थिक मितव्ययिता बरतने की जरूरत पड़ रही है। जहां पाकिस्तान के योजना मंत्री आसिफ इकबाल इस साल आर्थिक वृद्धि दर 3.5 फीसदी रहने का अनुमान बता रहे हैं वहीं दुनिया इस आशावादिता से सहमत नहीं है। पाकिस्तान अनिश्चितकाल के लिए अंतर्राष्ट्रीय खैरात का कटोरा बना रहेगा, जिसका गुजारा विदेशी मदद बिना नहीं हो सकता। इसी बीच, पाकिस्तानी रुपये को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा में बदलने में मददगार होने की बजाय उसके सदाबहार दोस्त चीन ने भी अपनी थैली का मुंह कस रखा है। चीन का ध्यान अधिकांशत: 'बेल्ट एंड रोड' परियोजना पर केंद्रित है। सवाल पैदा होता है कि क्या पाकिस्तान श्रीलंकाई राष्ट्रपति विक्रमसिंघे की नकल कर पाएगा जिन्होंने देश के सामने मुंह बाए खड़ी दिवालिया जैसी स्थिति से उबरने में चतुर कूटनीतिक और आर्थिक नीतियों के मामले में विलक्षण सफलता हासिल की है।

इन आर्थिक दबावों के बीच पाकिस्तान का 'परमाणु संपन्न नेतृत्व' के पास अपनी जनता को अच्छी खबर देने के नाम पर 'परमाणु निर्वाण' की ओर कूच है। पाकिस्तान के पहले 'परमाणु बम' जनक अब्दुल कादिर खान थे, जिनकी मृत्यु अक्टूबर, 2021 में हुई। कादिर के खाते में परमाणु तकनीक में अनुसंधान एवं विकास में संलग्न यूरोपियन संबंधता वाली डच कंपनी की संदिग्ध नौकरी है, वहां हाई स्पीड सैंट्रीफ्यूज के साथ संवर्धित यूरेनियम तैयार किया जाता था। अब्दुल कादिर 1971 में पाकिस्तान को मिली शिकस्त से काफी उद्वेलित थे, जिसका हवाला अक्सर दिया करते थे। उन्होंने पाकिस्तानी परमाणु बम बनाने में प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को यूरेनियम संवर्धन के अपने अनुभवों से अर्जित जानकारी की तफ्सील मुहैया करवा दी। जल्द ही उन्हें इस्लामाबाद के निकट कठुआ स्थित पाकिस्तान यूरेनियम संवर्धन परियोजना का मुखिया बनाया गया।

जहां उन्होंने यूरेनियम संवर्धन के लिए जरूरी सैंट्रीफ्यूज अवयव जुटाकर काम को अंजाम दिया। चीन के पास चूंकि संवर्धित यूरेनियम आधारित परमाणु बम बनाने की तकनीक थी, लिहाजा चीन से पाकिस्तान को देर-सवेर परमाणु अस्त्र बनाने का डिजाइन मिलना ही था। इसके बाद पाकिस्तान अपना परमाणु बना पाया, जिसका परीक्षण भारत द्वारा 1998 में पोखरण में प्लूटोनियम आधारित परमाणु परीक्षण किए जाने के फौरन बाद किया गया। यह वक्त की बात थी कि अब्दुल कादिर को भ्रष्टाचार करने और भारी रकम के बदले अन्य परमाणु बम का डिजाइन मुहैया करवाने के आरोप में बेदखल कर दिया गया। बेशक कादिर पर वैश्विक परमाणु अस्त्र डिजाइन समग्लर होने के अनेकानेक आरोप लगे हुए थे तथापि कादिर अक्टूबर, 2021 में अपनी मौत के बाद भी एक राष्ट्रीय नायक बने रहे। कहा जाता है कुछ इस्लामिक देशों की यात्रा के दौरान उन्होंने डिजाइन बेचा था। जाहिर है अमेरिका जैसे मुल्क इस कृत्य से खुश नहीं थे।

कादिर के बाद पाकिस्तान परमाणु अस्त्र कार्यक्रम का मुखिया ले. जनरल खालिद किदवई को बनाया गया, जो कि तोपखाने के उच्च अलंकृत अधिकारी थे और 1971 की बांग्लादेश लड़ाई के बाद बतौर युद्धबंदी भारत की जेलों में रह चुके थे। उनके पाकिस्तान परमाणु प्राधिकरण का मुखिया बनने के बाद, 1998 के परमाणु परीक्षण उपरांत, पाकिस्तान के परमाणु सिद्धांत ने शक्ल अख्तियार की। 'किदवई सिद्धांत' बताता है किन परिस्थितियों में पाकिस्तान परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा। वे लिखते हैं कि यदि भारत हमला करे और पाकिस्तान के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लेता है या थल-वायुसेना के बड़े अंश को नेस्तनाबूद कर दे तो पाकिस्तान को परमाणु अस्त्र चलाने पर मजबूर होना पड़ेगा। एक अन्य उपाय के तौर पर, किदवई ने आगे जोड़ा कि पाकिस्तान तब भी ऐसा करेगा यदि भारत पाकिस्तान को आर्थिक रूप से तबाह करने की कोशिश करे या बड़े पैमाने पर गड़बड़ करवाकर आंतरिक अस्थिरता पैदा करने की कोशिश करे। 'किदवई सिद्धांत' आज भी पाकिस्तान की परमाणु महत्वाकांक्षा और नीतियों का चेहरा है। तीसरे देशों के संगठनों द्वारा अनुमान के मुताबिक पाकिस्तान के पास आज की तारीख में लगभग 170 परमाणु हथियार हैं जबकि भारत के पास 164 बताए जाते हैं।

बारिश में लें स्वादिष्ट पकवान का मजा

घर पर बनाएं ये रेसिपी

तेज चिलचिलाती गर्मी के बाद बारिश लोगों की जिंदगी में राहत लेकर आई है। वैसे तो बारिश के इस मौसम में लोगों को घूमना काफी पसंद होता है, पर जगह-जगह हो रहे जलभराव की वजह के कई जगहों के लोग अपने घरों से बाहर नहीं जा पा रहे। अगर आप घर बैठे-बैठे इस मौसम का लुफ्त उठाना चाहते हैं तो घर पर कुछ स्वादिष्ट पकवान बनाकर खा सकते हैं। वैसे तो लोग बारिश में सिर्फ पकोड़े बनाना पसंद करते हैं, पर कई खाने के पकवान ऐसे हैं, जो पकोड़े से भी ज्यादा स्वादिष्ट होते हैं। ऐसे में अगर आपको और आपके घरवालों को भी तरह-तरह की चीजें खाने का शौक है तो आप बारिश के मौसम में कुछ अलग सी चीजें ट्राई कर सकते हैं।

पाव भाजी

ये एक ऐसी डिश है, जिसे हर उम्र के लोग खाना पसंद करते हैं। अगर आप इसे ऑनलाइन मंगावएंगे तो पाव ठंडे हो जाएंगे। ऐसे में घर पर ही गर्म पावभाजी बनाकर अपने घर वालों को खिलाएं।

आलू टिक्की

तेज बरसात की वजह से आप बाहर जाकर तो टिक्की खा नहीं सकतीं। इसी के चलते आराम से घर पर आलू की कुरकुरी टिक्की बनाएं और घर वालों की तारीफ बटोरें।

वड़ा पाव

महाराष्ट्र के कोने-कोने में पाए जाने वाला वड़ा पाव खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। आप इसे घर पर आसानी से बना सकते हैं। बारिश में वड़ा पाव काफी टेस्टी लगता है।

स्वीट कॉर्न मसाला

कॉर्न खाना हर किसी को पसंद होता है। इसे बनाने के लिए आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। इसको खाने से आपके मुंह का स्वाद भी अच्छा हो जाएगा और साथ में आप बारिश के मजे भी ले पाएंगे।

मोमोज

आजकल लोगों को मोमोज खाना बेहद पसंद है। इसे बनाना भी काफी आसान है। अगर आप कुछ हेल्दी खाना चाहती हैं तो मोमोज बनाते वक्त मैदा की बजाय आटे का इस्तेमाल कर सकती हैं। बारिश के मौसम में गर्म मोमोज खाने से मौसम का मजा कई गुना बढ़ जाएगा।

बिना चीनी, तेल और अंडे के बनाएं टेस्टी चॉकलेट ब्राउनी

अगर आप अपने वजन कम करने और शरीर को फिट रखने के लिए डाइट पर कंट्रोल कर रहे हैं और कभी-कभार कुछ मीठा खाने का मन होता है, तो इस रेसिपी, जिसे खाने से क्रेविंग शांत हो जाएगी और वजन पर कोई असर भी नहीं पड़ेगा। बिना चीनी, तेल, अंडा और चॉकलेट से बनने वाली इस रेसिपी ब्राउनी में ना तेल होता है, ना चीनी और ना अंडा, इसलिए वजन कंट्रोल करने में जुटे लोगों के लिए भी यह काफी अच्छी है। इसे आप जब चाहे ट्राई कर सकते हैं और ब्रेकफास्ट में तो इसके कहने ही क्या। बस एक बात का खास ध्यान रखें जब ब्राउनी पूरी तरह बेक हो जाए तो इसे तुरंत इसे काटना नहीं है। लगभग आधे से एक घंटे बाद ही इसे कट करेंगे जिससे इसके पीस अच्छे से कटें।

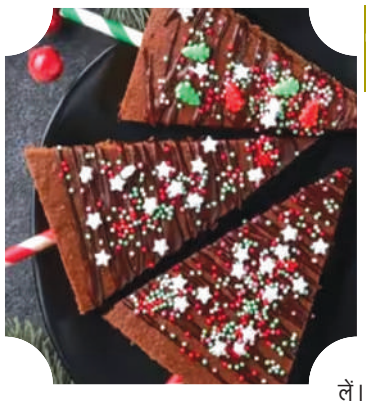

विधि

मिक्सिंग बाउल में दो कप दूध ले लें। डेरी दूध की जगह बादाम या ओट्स मिल्क का भी यूज कर सकते हैं। अब इसमें आधा कप मेपल सीरप या फिर शहद को मिला दें। फिर एक चौथाई कप पीनट बटर डाल दें। अब इसमें एक टीस्पून वनीला एसेंस मिला लें। इसके बाद इन सभी चीजों को अच्छे से मिला लें। अब इसमें दो कप ओट्स मिला लें। प्लेन ओट्स की जगह रोल्ड ओट्स भी ले सकते हैं। अब इसमें दो बड़ी चम्मच कोको पाउडर मिला दें। अब इसमें क्रश फ्लैक्स सीड्स यानी अलसी के बीज मिलाएंगे। या फिर इसकी जगह एक अंडा भी मिला सकते हैं। अब इसमें एक टी-स्पून बेकिंग पाउडर मिलाएंगे। इन सभी चीजों को अच्छे से मिला लें और इसे पांच मिनट तक के लिए छोड़ दें। अब इसमें चॉकलेट चिप मिला सकते हैं। अब इसे बेकिंग ट्रे में निकाल लें। बेक करने के लिए ओवन को 10 मिनट के लिए 180 डिग्री तापमान पर प्रीहीट करेंगे और इसके बाद 180 डिग्री के लिए पूरे 30 से 35 मिनट के लिए बेक करें।

वजन कंट्रोल करने वाले लोगों के लिए यह काफी अच्छी है।

हंसना मना है

दो महिलाएं एक फंक्शन में गई। वहां पहली महिला जिस भी जगह बैठने लगती तो..दुसरी महिला उसकी बैठने की जगह को अपने दुपट्टे से साफ कर देती। तकरीबन पांच- दस बार ऐसा हुआ। तब किसी ने दूसरी महिला से पूछा कि तू खुद की बजाय, इस औरत की जगह क्यों साफ कर रही है? तो वो महिला बोली, क्या करूं बहना? ये मेरी जेठानी है ! और ये आज मेरी साड़ी पहन कर.. आई है।

गांव में आधार कार्ड बन रहा था। कम्प्यूटर ऑपरेटर ने एक महिला से पूछा- तुम्हारे घरवाले का क्या नाम है? ये कॉलम भरना है। महिला बोली— हमारे यहां घरवाले का नाम नही लिया जाता। ऑपरेटर- कुछ हिंट दो मैं भर देता हूं। महिला बोली — 3 गंजी 3 गंजी। ऑपरेटर चकरा गया। तभी बगल में खड़ा एक लड़का बोला-छगनजी?

कहानी — संगति का असर

एक बार एक राजा शिकार के उद्देश्य से अपने काफिले के साथ किसी जंगल से गुजर रहा था। दूर-दूर तक शिकार नजर नहीं आ रहा था, वे धीरे धीरे घनघोर जंगल में प्रवेश करते गए। अभी कुछ ही दूर गए थे की उन्हें कुछ डाकुओं के छिपने की जगह दिखाई दी। जैसे ही वे उसके पास पहुंचें कि पास के पेड़ पर बैठा तोता बोल पड़ा-पकड़ो पकड़ो एक राजा आ रहा है इसके पास बहुत सारा सामान है लूटो लूटो जल्दी आओ जल्दी आओ। तोते की आवाज सुनकर सभी डाकू राजा की और दौड़ पड़े। डाकुओं को अपनी और आते देख कर राजा और उसके सैनिक दौड़ कर भाग खड़े हुए। भागते-भागते कोसो दूर निकल गए। सामने एक बड़ा सा पेड़ दिखाई दिया। कुछ देर सुस्ताने के लिए उस पेड़ के पास चले गए, जैसे ही पेड़ के पास पहुंचे कि उस पेड़ पर बैठा तोता बोल पड़ा-आओ राजन हमारे साधु महात्मा की कुटी में आपका स्वागत है। अन्दर आइये पानी पीजिये और विश्राम कर लीजिये। तोते की इस बात को सुनकर राजा हैरत में पड़ गया और सोचने लगा की एक ही जाति के दो प्राणियों का व्यवहार इतना अलग-अलग कैसे हो सकता है। राजा को कुछ समझ नहीं आ रहा था। वह तोते की बात मानकर अन्दर साधु की कुटिया की ओर चला गया, साधु महात्मा को प्रणाम कर उनके समीप बैठ गया और अपनी सारी कहानी सुनाई। और फिर धीरे से पूछा, ऋषिवर इन दोनों तोतों के व्यवहार में आखिर इतना अंतर क्यों है। साधु महात्मा बोले ,ये कुछ नहीं राजन बस संगति का असर है। डाकुओं के साथ रहकर तोता भी डाकुओं की तरह व्यवहार करने लगा है और उनकी ही भाषा बोलने लगा है। अर्थात जो जिस वातावरण में रहता है वह वैसा ही बन जाता है कहने का तात्पर्य यह है कि मूर्ख भी विद्वानों के साथ रहकर विद्वान बन जाता है और अगर विद्वान भी मूर्खों के संगत में रहता है तो उसके अन्दर भी मूर्खता आ जाती है। इसिलिय हमें संगति सोच समझ कर करनी चाहिए।

7 अंतर खोजें

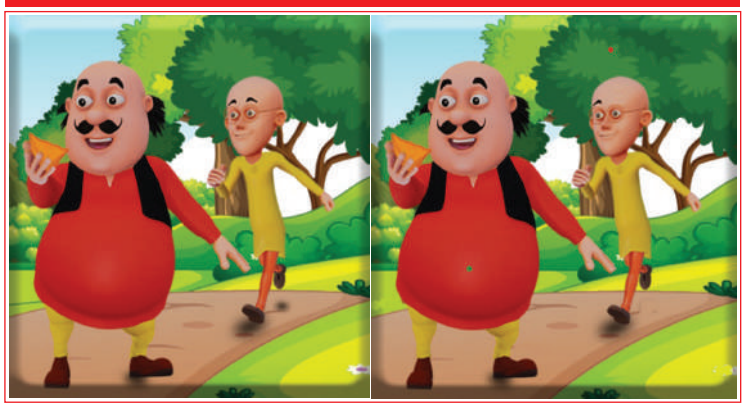

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृषभ

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा।

मिथुन

दु-खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

कर्क

भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

सिंह

घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या

यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेंगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

तुला

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें।

वृश्चिक

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

धनु

नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

मकर

किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

कुम्भ

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे।

मीन

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

ओएमजी-2 को ए सर्टिफिकेट दिए जाने पर मैं दुखी थी : यामी गौतम

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ओएमजी-2 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री एक वकील की भूमिका में दिखाई देंगी। इस फिल्म में यामी के अलावा अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी स्टारर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर गदर-2 को साथ टकरा रही है। फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और इसे दर्शकों की अच्छी खासी प्रतिक्रिया मिल रही है। अब हाल ही में यामी गौतम ने फिल्म को ए सर्टिफिकेट मिलने पर अपना दुख जाहिर किया है। अक्षय कुमार की 'ओएमजी-2' बड़े पर्दे पर रिलीज हो गई है। अक्षय के फैंस लंबे समय से उनकी इस फिल्म की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अगर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित होती है तो यह अक्षय के करियर के लिए संजीवनी साबित होगा। हालांकि, बता दें कि फिल्म को रिलीज से पहले ही काफी विवादों का सामना करना पड़ा था। अब इस यामी गौतम ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। यामी ने अपने हालिया इंटरव्यू में सेंसर बोर्ड द्वारा फिल्म को 'ए' सर्टिफिकेट मिलने पर कहा, 'जब मुझे पता चला कि सीबीएफसी ने हमारी फिल्म को 27 संशोधनों के साथ फिल्म को ए प्रमाणपत्र के साथ पास कर दिया है तो मैं निराश हो गई। हम बहुत ही उम्मीदों के साथ फिल्म बनाते हैं और हमारा उद्देश्य किसी की भावनाओं को आहत करना नहीं था।' आगे इंटरव्यू में यामी ने फिल्म में काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया और कहा, 'मेरे लिए ऐसी भूमिकाएं करना महत्वपूर्ण है, जिनमें कुछ दम हो। मैं हमेशा महत्वपूर्ण भूमिकाएं करना चाहती थी। यहां तक कि मेरी पहली फिल्म विकी डोनर में भी मेरी यह एक महत्वपूर्ण भूमिका थी। फिल्म एक अवधारणा पर आधारित थी। यह समाज के प्रति जागरूकता को भी केंद्रित करती थी। इसलिए मैंने इस फिल्म में काम किया था।' यामी ने आगे बताया कि उन्होंने खुद पर काम किया है और जिन फिल्मों से वह खुद को जोड़ती हैं, उनके साथ धैर्य रखती हैं क्योंकि वह दोहराव नहीं करना चाहती हैं । ओएमजी 2 के बारे में बात करें तो यह फिल्म 2012 की सुपर-हिट फिल्म ओह माय गॉड की सीक्वल है।

रिलीज होते ही ऑनलाइन लीक हुई रजनीकांत की फिल्म जेलर

साउथ फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्मों की रिलीज उनके चाहने वालों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं होती। अब उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म जेलर लंबे इंतजार के बाद आखिरकार गुरुवार को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। इसी के साथ दुनियाभर में रजनीकांत के चाहने वालों के बीच इसके लिए एक अलग ही जोश देखने को मिला है। हालांकि, अब खबर आई है कि बाकी कई बड़ी फिल्मों की तरह रजनीकांत की जेलर भी पायरेसी का शिकार हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो रिलीज के कुछ घंटों बाद ही फिल्म ऑनलाइन लीक हो गई है, जिसे खूब डाउनलोड किया जा रहा है। जेलर टोरेंट वेबसाइट, तमिलरॉकर्स, टेलीग्राम और मूवीरूल्ज जैसी वेबसाइट्स पर एचडी प्रिंट में उपलब्ध करवाई गई है। अब फिल्म के लीक होने से मेकर्स को तगड़ा झटका लग सकता है। माना जा रहा है कि जेलर की लीक का असर इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर भी देखने को मिल सकता है। हालांकि, पहले दिन फिल्म के लिए जैसी दर्शकों की दीवानगी देखने को मिल रही है, उससे तो यही अंदाजा लगाया जा रहा है कि फैंस इसे देखने के लिए थिएटर का रुख करेंगे।

बता दें कि पायरेटेड फिल्मों को देखना या इंटरनेट से इन्हें डाउनलोड करना गैर-कानूनी होता है। कॉपीराइट के तहत आने वाले किसी भी कॉन्टेंट की नकली कॉपी बनाना भी गैर कानूनी माना जाता है। इस नियम का उल्लंघन करने पर 3 साल जेल की सजा हो सकती है। इसके अलावा 3 लाख रुपये का जुर्माना भी भरना पड़ सकता है।

7000 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई जेलर

गौरतलब है कि नेल्सन दिलीप कुमार के निर्देशन में बनी जेलर को दुनियाभर में करीब 7,000 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया है। इसें तमिल के अलावा हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलायलम भाषाओं में भी रिलीज किया है। खबरों की माने तो फिल्म करीब 200 करोड़ रुपये की लागत में बनकर तैयार हुई है।

जी ले जरा में आलिया, प्रियंका और कैटरीना मचाएंगी धूम

फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा पिछले काफी समय से लाइम लाइट में हैं। जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है, कुछ न कुछ अपडेट सामने आता रहता है। सिनेमा प्रेमी इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित इस फिल्म में आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा एक साथ नजर आने वाली हैं। हालांकि कुछ समय पहले फिल्म के ठंडे वस्ते में जाने की खबर आई थी। अब एक बार फिर बड़ा अपडेट सामने आया है।

निर्माता रीमा कागती ने बताया कि वह अभी खो गए हम कहां से बतौर निर्माता जुड़ीं हैं। वहीं फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित जी ले जरा रोड ट्रिप फिल्म है, जिसमें प्रियंका चोपड़ा, कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट एक साथ पर्दे पर नजर आएंगी। फिल्म की स्टार कास्ट में कोई बदलाव अभी तक नहीं हुआ है। इसके अलावा उनकी अगली निर्देशित फिल्म सुपरमैन ऑफ मालेगांव है, जो 2012 में इसी नाम की कॉमेडी ड्रामा डॉक्यूमेंट्री पर बेस्ड होने वाली है। निर्देश और निर्माता ने कहा, टाइगर बेबी प्रोडक्शन अभी बेहद बिजी चल रही है। हम कुछ डॉक्यूमेंट्री पर काम कर रहे हैं। उम्मीद हैं कि खो गए हम कहां जल्द की दर्शकों तक पहुंच जाए। एक फिल्म भी है, जो जोया कर रही है। वहीं सुपरमैन ऑफ मालेगांव अमेजन की फिल्म है। इसके बाद जी ले जरा प्रियंका चोपड़ा, कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ फ्लोर पर जाएगी। काफी दिनों से इस फिल्म के बंद होने की खबरें आ रही थीं। वहीं खबर तो ये भी थी कि प्रियंका चोपड़ा और कैटरीना कैफ ने फिल्म से हाथ पीछे खींच लिए हैं। वहीं आलिया भट्ट के पास डेट्स की बेहद कमी हैं। फरहान अख्तर बैक टू बैक कई फिल्म को लेकर आने वाले हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी मोस्ट अवेटिड फिल्म डॉन-3 का ऐलान कर टीजर रिलीज किया है, जिसमें रणवीर सिंह नए डॉन के अवतार में नजर आ रहे हैं।

अजब-गजब | बिहार का एक अनोखा गांव, जहां है अनोखी परंपरा

इस गांव में सूरज निकलने से पहले गांव का चक्कर लगाते हैं लोग

जमुई। बिहार में एक बड़ा ही अनोखा गांव है, जहां के लोगों की सुबह बांकी गांव के लोगों से काफी अलग होती है। अमूमन जहां लोग सुबह उठकर अपने दैनिक जीवन की शुरुआत करते हैं, वहीं यहां के लोग सुबह-सुबह नींद खुलते ही गांव का चक्कर लगाने लगते हैं और यह सिलसिला पिछले एक साल से भी अधिक समय से चलता आ रहा है। यह अनोखा गांव जमुई जिला खैरा प्रखंड में स्थित है। खैरा प्रखंड स्थित घनबेरिया गांव के आधा दर्जन से भी अधिक लोग हर सुबह गांव का भ्रमण करते हैं और इस दौरान वह लाउड स्पीकर लगाकर मंत्रों का जाप और भजन का जाप करते रहते हैं। इसका यह प्रयास अपने आप में काफी अनोखा है।

इस गांव के लोगों के द्वारा पिछले एक साल से हर सुबह चार बजे से ही इसकी शुरुआत की जाती है। सुबह चार बजते ही लोग उठ जाते हैं और एक जगह जमा हो जाते हैं। इसके बाद साइकिल के पीछे एक साउंड सिस्टम लगाकर उस पर भजन और मंत्र का जाप शुरू करते हैं। इस टोली में शामिल लोग पूरे गांव का भ्रमण करते हैं।

इसके पीछे इनका उद्देश्य गांव में सुख-शांति और समृद्धि कायम करना है।

इतना ही नहीं लोगों का यह भी मानना है कि सुबह जब लोगों की नींद खुलती है तब उनके कानों में सबसे पहले भगवान का नाम जाए, इससे उनका कल्याण होता है। साथ ही गांव का भ्रमण करने से लोग मॉर्निंग वॉक भी कर लेते हैं। इससे लोगों की सेहत भी ठीक रहती है। इस गांव के लोग अलार्म लगाकर नहीं सोते, बल्कि जब उनके कान में इनके मंत्र और भजनों की आवाज जाती है तब लोग उठ जाते हैं।

घनबेरिया गांव के परमानंद सिंह, अरविंद सिंह, विकास कुमार सहित अन्य लोगों ने बताया कि भगवान का नाम लेने से मनुष्य के साथ-साथ पशु और पक्षी का भी कल्याण होता है। उन्होंने बताया कि पहले महज कुछ लोगों ने ही इसकी शुरुआत की। अब धीरे-धीरे इसमें लोग जुड़ते चले गए। अब आधा दर्जन से भी अधिक लोग रोजाना इस क्रिया में हिस्सा लेते हैं। इसमें शामिल सभी लोग अपने दैनिक जीवन में अलग-अलग कार्य करते हैं। इसमें नौकरी पेशा करने वाले लोग भी शामिल हैं। वहीं कुछ मेहनत मजदूरी करने वाले और कुछ किसान भी इसमें शामिल हैं। लेकिन सभी लोग अपने दिनचर्या की शुरुआत एक साथ करते हैं। गांव भ्रमण के उपरांत ये सभी लोग गांव के ही एक मंदिर परिसर में पहुंचते हैं। जहां आरती गाने के बाद इसका समापन किया जाता है। रोजाना करीब डेढ़ घंटे तक इन लोगों के द्वारा भ्रमण किया जाता है।

कैसे निकाला जाता है सांप का विष, लोगों के लिए वरदान साबित होता है यह जहर

जहर जान ले लेता है, यह तो हम सबको पता है। और बात जब जहरीले सांपों की हो रही हो, तब तो कोई भी इसके पास फटकना पसंद नहीं करेगा। किंग कोबरा जैसे सांपों का एक बूंद जहर भी कई लोगों को मौत की नींद सुला सकता है। लेकिन क्या आपने सापों का जहर निकालते देखा है? सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स सांपों का जहर निकालते हुए देखा जा सकता है। वीडियो देखकर आपको डर लगेगा, लेकिन आपको बता दें कि इस जहर लोगों की जान बचाई जाती है।

इंस्टाग्राम पर @snakebytestv एकाउंट से यह वीडियो शेयर किया गया है। देखिए कैसे एक शख्स एक हाथ में कांच का ग्लास लेता है और दूसरे हाथ में एक जहरीला सांप। फिर वह सांप की गर्दन दबाता है और उसका मुंह ग्लास के अंदर डालकर उसका रस निकालने की कोशिश करता है। जैसे ही वह सांप का मुंह दबाता उसके मुंह से खतरनाक जहर बाहर आकर गिरता है। सांप कौन सा है, यह तो पता नहीं। हालांकि, कुछ लोगों ने इसे अफ्रीकन गैबून वाइपर बताया है। मगर आप देख सकते हैं कि इस शख्स के चेहरे पर बिल्कुल भी डर नहीं है। वह कुछ बात कभी करता है, ऐसा लगता है कि जैसे सांप को निर्देश दे रहा हो। आप सोच रहे होंगे कि सांपों के जहर का आखिर होता क्या है? तो बता दें कि इससे इंसानों की जिंदगी बचाई जाती है। जहर के जानकार डॉक्टर जोल्टन टकास कहते हैं कि, जहर दुनिया में इकलौती कुदरती चीज है जो जान लेने के लिए बनी है। लेकिन इसका इस्तेमाल लोगों की जान बचाने में किया जाता है। दुनिया में जहर से तैयार कई दवाएं तो पहले से ही बिक रही हैं। कम से कम चार ऐसे जीव हैं, जिनका जहर इंसानों को बचाने के काम आ रहा है। सांप के जहर से ऐसी दवाएं बनाई जाती हैं, जो दिल की बीमारियों से लड़ने में काम आती हैं। हाई ब्लड प्रेशर में सांप के जहर से बनी दवाएं काफी इस्तेमाल हो रहीं। हार्ट अटैक में यह दवाएं बहुत कारगर हैं। वीडियो देखकर लोग हैरान हैं। कई लोगों ने इस शख्स की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है। एक यूजर ने लिखा, जहर उसके मुंह या आंखों में जा सकता था। सोचिए तब क्या होता। एक ने इसे गैरजिम्मेदाराना बताया। कहा- जार टूट सकता था और जहरीला सांप इस शख्स को काट सकता था। ऐसी लापरवाही कतई नहीं करनी चाहिए। एक ने चेताया, अपना मुंह बंद रखो अगर एक बूंद भी वहां पहुंच गई तो क्या होगा। एक यूजर ने कमेंट किया, सांप के साथ खेलना पागलपन। और वह भी अगर जहरीला सांप हो तब तो दूर ही रहें।

भारत को खत्म कर दिया गया संसद में हंस रहे पीएम : राहुल

बोले- प्रधानमंत्री अगर मणिपुर जा नहीं सकते तो उस पर बोलें तो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण को लेकर उन पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि वो अपने भाषण के दौरान लगातार हंस रहे थे। मणिपुर में महीनों से आग लगी है। जो मैंने मणिपुर में सुना और देखा वो पहले नहीं देखा। राहुल गांधी ने अपने कहा कि मैंने संसद में बोला कि प्रधानमंत्री ने भारत माता की हत्या की है। मणिपुर में भारत को खत्म कर दिया है। मैंने ऐसे ही नहीं बोला था।

ये खोखले शब्द नहीं हैं, मैं आपको समझाता हूं कि ये क्यों बात है। ये राहुल और कांग्रेस की बात नहीं है बल्कि देश की बात है। राहुल ने कहा कि जब मैंने प्रधानमंत्री को हंसते हुए और मजाक उड़ाते हुए देखा मैं समझ नहीं पा रहा था कि हिन्दुस्तान का प्रधानमंत्री इस प्रकार से कैसे बोल सकता है। पता नहीं लग रहा है कि हमारे देश में क्या हो रहा है। वो नहीं जा सकते हैं वहां उसके भी कारण हैं। छोड़िए मैं बता नहीं सकता। लेकिन अगर जा नहीं सकते हैं तो मणिपुर के बारे में बोलें तो।

संसद में चुटकुले सुना रहे थे मोदी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि कल पीएम मोदी ने संसद में करीब 2 घंटे 13 मिनट तक बोला। अंत में उन्होंने मणिपुर पर 2 मिनट तक बात की। मणिपुर महीनों से जल रहा है, लोग मारे जा रहे हैं, बलात्कार हो रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री हँस रहे थे, चुटकुले सुना रहे थे। यह उन्हें शोभा नहीं देता। प्रधानमंत्री कम से कम मणिपुर जा सकते थे, समुदायों से बात कर सकते थे और कह सकते थे कि मैं आपका पीएम हूं, आइए बात शुरू करें लेकिन मुझे कोई इरादा नहीं दिखता... सवाल यह नहीं है कि क्या पीएम मोदी 2024 में पीएम बनेंगे, सवाल मणिपुर का है जहां बच्चे, लोग मारे जा रहे हैं।

वायनाड के दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा की सदस्यता बहाल होने के बाद आज पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड (केरल) के दौरे पर रहेंगे। वह शुक्रवार देर रात दिल्ली स्थित अपने आवास से वायनाड के लिए रवाना हुए और। इससे पहले, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने जानकारी दी था कि राहुल गांधी 12-13 अगस्त को वायनाड के दौरे पर रहेंगे। केरल कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष वीटी सिद्दीकी ने बताया कि वायनाड पहुंचने पर राहुल गांधी का गर्मजोशी से स्वागत करने की तैयारी की गई है। इसी हफ्ते की शुरुआत में लोकसभा सचिवालय से अधिसूचना जारी होने के बाद राहुल गांधी की संसदी बहाल हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी थी। जिसके बाद राहुल गांधी की सांसदी बहाल होने का रास्ता साफ हो गया था। केसी वेणुगोपाल ने ट्वीट किया, राहुल गांधी 12-13 अगस्त को अपने लोकसभा क्षेत्र वायनाड का दौरा करेंगे। वायनाड के लोग इस बात से खुश हैं कि लोकतंत्र की जीत हुई और संसद में उनकी आवाज वापस लौट आई है। राहुल गांधी सिर्फ उनके सांसद नहीं हैं बल्कि परिवार के सदस्य जैसे हैं।

बृजभूषण पर मुकदमा चलाने को पर्याप्त सबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» दिल्ली पुलिस ने अदालत को दी जानकारी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक मेट्रोपोलिटन अदालत को बताया कि महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। दिल्ली पुलिस ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल को बताया कि सिंह और सह-आरोपी और निलंबित डब्ल्यूएफआई सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है।

पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे सरकारी वकील अतुल श्रीवास्तव ने अदालत को बताया कि आरोपित व्यक्तियों पर उन अपराधों के लिए आरोप लगाया जाना चाहिए। जिनके लिए उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है। उन्होंने अदालत को बताया कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आईपीसी की धारा 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल), 354-ए (यौन उत्पीड़न) और 354-डी (पीछा करना) सहित आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।

अदालत अब इस मामले की सुनवाई 19 अगस्त को करेगी, जिस दिन शिकायतकर्ताओं के वकील आरोप के बिंदु पर दलीलें दे सकते हैं। मेट्रोपोलिटन अदालत ने 20 जुलाई को सिंह और तोमर को कुछ शर्तों के साथ 25,000 रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी थी, जिसमें अदालत की पूर्व अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ना और गवाहों को कोई प्रलोभन नहीं देना शामिल था। दिल्ली पुलिस ने छह बार के सांसद के खिलाफ 15 जून को आरोप पत्र दायर किया था।

फोटो : 4 पीएम

सामूहिक राष्ट्रगान

शहीद स्मारक पर पंच प्रण की शपथ सामूहिक राष्ट्रगान में शामिल हुए 500 स्कूली बच्चे। इस अवसर पर बच्चों का उत्साहवर्धन उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व एडीसीपी चिरंजीवी सिन्हा ने किया।

पहचान छिपाकर शादी करने पर होगी 10 साल की कैद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अंग्रेजों द्वारा लाए गए दशकों पुराने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में बदलाव के लिए केंद्र सरकार एक अहम विधेयक भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लेकर आई है। ये विधेयक कई मायनों में खास माना जा रहा है।

दरअसल, इसके जरिए सरकार लव जिहाद और महिलाओं के खिलाफ अन्य अपराधों पर लगाम लगाने की तैयारी में है। प्रस्तावित कानून में पहचान छिपाकर किसी महिला से शादी करने या पदोन्नति और रोजगार के झूठे वादे के तहत यौन संबंध बनाने पर अब 10 साल तक की कैद हो सकती है। शुक्रवार को लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह में तीन विधेयक पेश किए, जिसमें पहली बार इन अपराधों से निपटने के लिए एक विशिष्ट प्रावधान का प्रस्ताव किया गया है।

तिरंगा दिवस पर एकजुट होकर देशभक्ति की जगायें अलख : अनुज

» भारतीय युवा संघर्ष मोर्चा (अरा) करेगा आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टिकैतगंज, बाराबंकी। भारत के स्वातंत्रा संग्राम में बलिदान देने वाले वीर जवानों को पूरा देश अपने अपने तरीके से याद करता है यह उत्साह भारत में सभी धर्मों के नागरिकों में देखने को मिलती है शायद ही यह उत्साह दुनियां में कही और मिलती हो। हमारा भी कर्तव्य है कि जो हम आज खुली हवा में सांस लेते है ये सांस हमारे बुजुर्गी अर्थात हमारे वीर जवानों ने अपना लहू देकर हमको दिया है,उनको याद करें।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भारत का गौरव तिरंगा की आन-बान-शान के लिए राजकीय इंटर कालेज निंदूरा, टिकैतगंज के समीप स्थित वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई/ बेगम हजरत महल पार्क में हर वर्ष की भांति इसबार भी भारतीय युवा संघर्ष मोर्चा (अराजनैतिक) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुज सम्राट व सभी देशभक्त युवाओं द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा जिसमें सभी क्षेत्रवासियों से अपील की गई है कि सभी लोग अपना बहुमूल्य समय निकालकर ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होकर देशभक्ति की अलख जगाने का प्रयास करे। इस उपलक्ष्य में भा.यू.स.मो. के प्रदेश प्रवक्ता वकार अहमद सिद्दीकी ने बताया कि तिरंगा यात्रा में देशप्रेम व स्वातंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदानों को दिखाने के लिए विभिन्न झाकियों का आयोजन किया गया जिसमें आर. एस. लाइफ लाइन स्कूल के बच्चो द्वारा विभिन्न झाकियों के माध्यम से अपनी कला और कौशल को दिखाएंगे।

जापान को चौंका कर भारत फाइनल में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत ने अपने आक्रामक और रणनीतिक खेल का खूबसूरत नजारा पेश करते हुए जापान को 5-0 से करारी शिकस्त देकर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) हॉकी प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया जहां उसका सामना को मलेशिया से होगा। मलेशिया ने पहले सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 6-2 से पराजित किया।

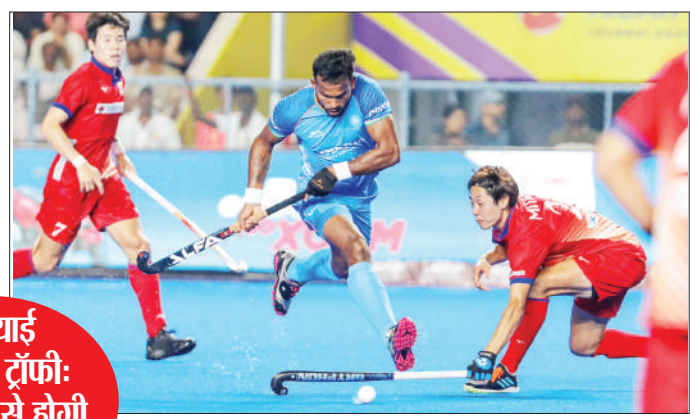

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी: मलेशिया से होगी खिताबी जंग

भारत ने राउंड रोबिन लीग चरण में मलेशिया को 5-0 से करारी शिकस्त दी थी और वह फाइनल में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। तीन बार के चैंपियन भारत की तरफ से आकाशदीप सिंह (19वें मिनट), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (23वें मिनट), मनदीप सिंह (30वें मिनट), सुमित (39वें मिनट) और सेल्वम कार्ति (51वें मिनट) ने गोल किये। जापान ने लीग चरण में भारत को 1-1 से बराबरी पर रोका था लेकिन शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल में पहले क्वार्टर को छोड़कर भारतीयों के सामने उसकी एक नहीं चली।

पहले क्वार्टर में भारतीय टीम अपने आक्रामक तेवरों का खुलकर प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन दूसरे क्वार्टर में उसने 12 मिनट के अंदर तीन गोल करके इसकी भरपाई कर दी। भारत को खेल के दूसरे मिनट में ही जरमनप्रीत सिंह के प्रयासों से पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन हरमनप्रीत के शॉट को जापान के गोलकीपर तकाशी योशिकावा ने पांव से बाहर का रास्ता दिखा दिया। शमशेर सिंह को इसके तुरंत बाद ग्रीन कार्ड मिलने के कारण दो मिनट तक बाहर बैठना पड़ा। भारत ने दूसरे क्वार्टर के चौथे मिनट में आकाशदीप के गोल से शुरुआती बढ़त हासिल की। हार्दिक सिंह और सुमित ने सर्किल के दाएं तरफ से यह मूव बनाया। हार्दिक का शॉट गोलकीपर ने रोक दिया लेकिन गेंद सीधे आकाशदीप के पास चली गई जिन्होंने उसे गोल में डालने कोई गलती नहीं की।

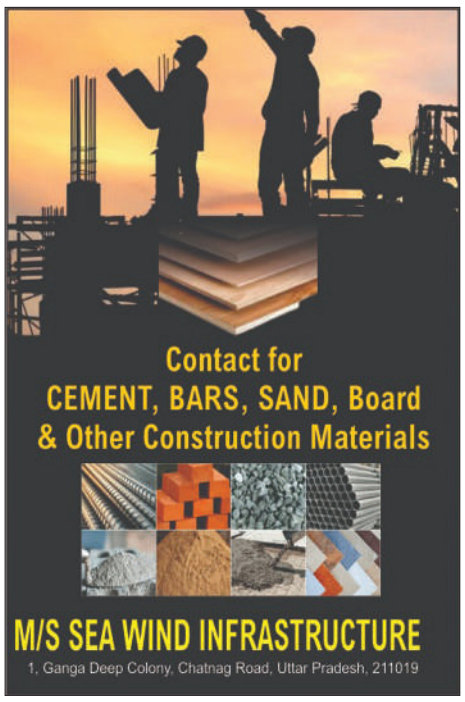

आर-आर विभाग के चीफ पर गिरी गाज, गलत रिपोर्ट लगाने का आरोप

» नगर निगम की लापरवाही से गई थी छात्रा की जान

» स्ट्रीट लाइट में करंट उतरने से हुआ था हादसा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। छात्रा इष्टि की करंट लगने से मौत के मामले में गलत रिपोर्ट लगाने पर आर-आर चीफ संजय कटियार को हटा दिया गया। उन्हें स्थानीय निकाय निदेशालय से संबद्ध किया गया है। गौरतलब हो कि सरोजनी नगर में लखनऊ फिनिक्स माल के पास बीते शनिवार को इष्टि की मौत हो गई थी। वह कोचिंग से घर जा रही थी। बारिश की वजह से रास्ते में स्ट्रीट लाइट के तार से करंट उतर जाने की वजह से उसकी मृत्यु हो गई थी।

छात्रा इष्टि

नगर निगम के स्ट्रीट पोल की चपेट में आने से छात्र इष्टि की मौत हुई थी। इस पर आर-आर विभाग के चीफ पर कार्रवाई की गई है। उन पर गलत रिपोर्ट लगाने का आरोप लगाया है। आर-आर चीफ संजय कटियार को हटा दिया गया। जबकि इसमें लापरवाह जेई और सुपरवाइजर को क्लीनचिट दे दी गई है। स्ट्रीट लाइट लगाने वाली कंपनी ईईएलएल पर भी केस किया जाएगा। कृष्णानगर थाने में ईईएसएल कंपनी पर केस दर्ज कर दिया गया। हालांकि सूत्रों से जानकारी मिली है कि जल्द दोषी जेई और सुपरवाइजर पर भी कार्रवाई होगी।

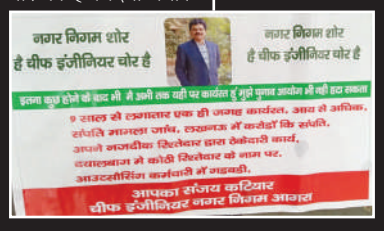

गौरतलब हो कि प्रकाश की लापरवाही सामने आने के बाद कई बार मण्डलायुक्त रोशन जैकब ने फटकार लगाई थी लेकिन वह ठीक नहीं किए गए। पर जब नगर निगम की स्ट्रीट पोल में करंट से छात्रा की मृत्यु हुई। तब जाकर नगर निगम की आंख खुली। शासन द्वारा फटकार लगने के बाद नगर निगम के मुख्य अभियंता पर यह कार्रवाई की गई। इसी मामले में नगर निगम के मुख्य अभियंता संजय कटियार को हटा दिया गया है। घटना के कई दिनों बाद भी कोई कार्रवाई न होने पर ही मुख्य अभियंता पर गाज गिरी है।

आगरा में संजय के खिलाफ लगे थे नारे

आगरा में तैनाती के दौरान आर-आर विभाग के चीफ संजय कटियार के खिलाफ लगे नारों का एक पोस्टर भी वायरल हो रहा है जिसमें लिखा है- नगर निगम में शोर है संजय कटियार चोर है। यह पोस्टर आगरा में रहे चीफ इंजीनियर रहते उनके खिलाफ दिवारों पर लगा था। यहीं नहीं उन पर आगरा में मुकदमा भी दर्ज हो चुका है।

जिम्मेदारों पर कार्रवाई के बजाय समझौते का था दबाव

छात्रा की मौत को लेकर कोई कार्रवाई न होने में नगर निगम के अफसर भी जिम्मेदार है। मार्ग प्रकाश का प्रभार अपर नगर आयुक्त स्तर पर होता है, लेकिन ईईएसएल कंपनी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रही थी। इस दर्दनाक घटना में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने की कोई पहल नहीं दिखाई और संवेदनहीन बनी रही। नगर निगम के अवर अभियंता(संविदा) रवि तिवारी का कहना था कि वह तहरीर लेकर कृष्णानगर कोतवाली गए थे, पुलिस ने नहीं लिया। प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह ने कहा कि अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है।

विधायक राजेश्वर सिंह ने विस में उठाया था मामला

विधायक राजेश्वर सिंह ने विस में इष्टि की मौत का मामला उठाया था। इससे पहले सरोजनीनगर के विधायक राजेश्वर सिंह ने पीड़ित परिवार 6 लाख रुपए की आर्थिक मदद दिलाई है। कई दिन बाद भी कोई कार्रवाई न किए जाने पर सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक डा. राजेश्वर सिंह ने विधानसभा में नियम मंत्री ने कहा दोषियों पर होगी -51 के तहत सवाल पूछा था। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने बताया कि लापरवाही के कारण हुई घटना के लिए जिम्मेदार मार्ग प्रकाश विभाग के सहायक की जिम्मेदारी होगी। इसके अलावा संविदा पर तैनात अवर अभियंता रवि तिवारी की सेवा को समाप्त किया जाएगा।

नाश का कारण है नशा, इससे बचकर रहें : योगी

फोटो: सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज राजधानी में नशा मुक्त प्रदेश-सशक्त प्रदेश अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने युवाओं से अपील की है कि नशा नाश का कारण बनता है। इससे बचकर रहें।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर युवाओं को बधाई भी दी। इस मौके पर उन्होंने ट्वीट कर कहा कि सभी युवा साथियों को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस की हृदय से बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं! आइए, इस अवसर पर आत्मनिर्भर भारत-समर्थ भारत-आधुनिक भारत की निर्माण-यात्रा को और अधिक सशक्त-समृद्ध करने में अपना योगदान देने हेतु सकंल्पित हों।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने भाषण में कहा कि हमारा युवा स्वावलंबी बने और उसके स्वावलंबन से हमारा प्रदेश तथा देश आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त कर सके, इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा अपनी ऊर्जाका उपयोग रचनात्मक कार्यों में करें तो आपका भविष्य उज्ज्वल होगा।

फोटो: 4पीएम

सदन लालबाग स्थित नगर निगम मुख्यालय में नगर निगम सदन की हुई शुरुआत मेयर सुषमा खर्कवाल मौजूद रहीं।

रविवार को भी खुलेंगे यूपी के सभी स्कूल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत प्रदेश भर में चल रहे हर घर तिरंगा व मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत बेसिक व माध्यमिक के विद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

नौ से 15 अगस्त के बीच चल रहे कार्यक्रमों में 13 अगस्त रविवार को भी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन प्रस्तावित है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद ने कहा कि रविवार को स्कूल खुलेंगे और विभिन्न आयोजन होंगे। इस दिन बच्चों के लिए एमडीएम भी बनेगा, इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

राघव चड्ढा ने राज्यसभा से निलंबित होने के बाद चेंज किया ट्विटर बायो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राघव चड्ढा कल राज्यसभा से निलंबित हो गए। आप सांसद राघव चड्ढा को शुक्रवार को विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट लंबित रहने तक नियमों के घोर उल्लंघन, कदाचार, अपमानजनक रवैये और अवमाननापूर्ण आचरण के लिए राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया, अपनी संसद सदस्यता निलंबित होने के बाद राघव चड्ढा ने अपनी ट्विटर बायो चेंज कर दी है।

लिखा-सस्पेंडेड सांसद

आपको बता दें कि पहले अपने ट्वीटर हैंडल पर राघव चड्ढा ने बायो में सांसद लिखा था, जिसे अब बदलकर सस्पेंडेड सांसद लिख दिया है। राज्यसभा के सभापति व देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राघव चड्ढा के निंलबन की घोषणा की थी। राघव चड्ढा का निलंबन सदन के नेता पीयूष गोयल द्वारा पेश किए गए एक प्रस्ताव के बाद हुआ, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 के लिए प्रस्तावित चयन समिति में उच्च सदन के चार सदस्यों के नाम शामिल करने के लिएआप नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी।

यूपी वालों को उमस से मिलेगी राहत, बरसेंगे बदरा

» कल व परसों तेज बारिश के आसार, उत्तराखंड में रेड अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के कई राज्य इन दिनों भारी बारिश से जूझ रहे हैं। कई जगह बाढ़ से हालात खराब हैं, वहीं कुछ जगहों पर लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हैं। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी कल और परसों बारिश का अनुमान जताया गया है। उधर राजधानी दिल्ली में आज मौसम साफ रहेगा और हल्की उमस भरी गर्मी रहेगी।

मौसम विभाग के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में 12-13 अगस्त, उत्तराखंड में 12 से लेकर 16 अगस्त तक भारी बारिश होगी। उत्तराखंड में 12 से लेकर 14 अगस्त तक कुछ इलाकों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब और हरियाणा में भी आज और कल भारी बारिश होने का अनुमान है। 13 अगस्त को दिल्ली में भी बारिश का अनुमान है। बिहार, उप-हिमालयी इलाके जैसे पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी आज और कल भारी कुछ जगहों पर बारिश का अनुमान है। उत्तर पूर्वी राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में भी कुछ जगहों पर भारी बारिश का अनुमान जताया गया है।

दक्षिण भारत में कहीं-कहीं हल्की से भारी का अनुमान है। बाकी जगहों पर मौसम साफ रहेगा। आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में भीषण गर्मी और उमस अगले दो दिनों तक लोगों को परेशान करेगी।

देश के कुछ हिस्सों में गर्मी का कहर

मौसम विभाग के अनुसार, महाराष्ट्र के विदर्भ, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, तेलंगाना में सामान्य से तापमान 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा रह सकता है। वहीं कोंकण, गोवा, मराठवाड़ा, तमिलनाडु, पुडुचेरी, तटीय कर्नाटक में तापमान सामान्य रहेगा और कुछ जगहों पर इसमें एक से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। तटीय आंध्र प्रदेश के तुनी में सबसे ज्यादा 38.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रह सकता।

भूस्खलन हादसे में 16 की तलाश जारी लापता दो लोगों के शव और बरामद

रुद्रप्रयाग। गौरीकुंड भूस्खलन हादसे में लापता 18 लोगों में से आज शनिवार को सुबह दो शव बरामद हुए हैं। इनमें से एक शव महिला का और एक युवती का है, जिनकी शिनाख्त की जा रही है। बीते 3 अगस्त की रात्रि लगभग 11.30 बजे गौरीकुंड डाटपुल के समीप भारी भूस्खलन से हाईवे किनारे बनी तीन दुकानें भी बह गई थीं, जिसमें 23 लोग बह गए थे। जिनकी तलाश में गौरीकुंड में रेस्क्यू अभियान जारी है। वहीं गौरीकुंड भूस्खलन हादसे में लापता नेपाली मूल के 14 लोगों के बारे में जिला प्रशासन ने नेपाल दूतावास से भी उनके बारे में जानकारी मांगी है। साथ ही पुलिस से भी यात्रा के दौरान बाहरी लोगों के सत्यापन के बारे में रिपोर्ट मांगी गई है। भूस्खलन हादसे के छह दिन बाद भी नेपाली मूल व अन्य सहित कुल 20 लोगों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया। वहीं रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग पर बृहस्पतिवार को आए मलबे में दबी कार में पांच लोगों की मौत हो गई। शुक्रवार को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त वाहन के अंदर से पांचों के शव बरामद किए गए हैं। राजमार्ग का 80 मीटर से अधिक हिस्सा पूरी तरह से ध्वस्त है। इस कारण दूसरे दिन भी यातायात बहाल नहीं हो पाया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।